अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

श्री क्षीरेश्वर महादेव ज्योतिर्लिंग

दैनिक राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

माता खीरेश्वरी देवी

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी,अम्बेडकरनगर, एटा,औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर,जौनपुर,श्रावस्ती,उरई,जालौन, फिरोजाबाद,हरदोई, मथुरा,कानपुर,ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर,सिद्धार्थनगर,सन्तकबीरनगर, नोयडा, सुलतानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 15 अंक 275 | लखनऊ, शुक्रवार, 24 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

सीमा शुल्क के मसले पर नेपाल के संपर्क में है भारत

नई दिल्ली। भारत ने नेपाल की ओर से सीमा शुल्क लगाने और फिर इसे आंशिक रूप से हटाए जाने पर कहा कि उसकी पूरी स्थिति पर नजर है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत इस विषय पर नेपाल से साथ लगातार संपर्क में है। वहीं, प्रवक्ता ने बांग्लादेश से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा, ''भारत को नेपाल में पहले से मौजूद प्रावधान के तहत 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर सीमा शुल्क लागू किए जाने की जानकारी है। हम समझते हैं कि नेपाल सरकार ने यह कदम मुख्य रूप से अनौपचारिक व्यापार और तस्करी को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उठाया है।''

ईंधन और खाद्य सुरक्षा के मामले में मोदी सरकार विफल : कांग्रेस अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने केंद्र सरकार पर ईंधन और खाद्य सुरक्षा को लेकर गंभीर विफलताओं का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपनी नाकामियों और गंभीर आरोपों से ध्यान हटाने के लिए सीमांकन (डिलिमिटेशन) का सहारा लिया लेकिन देश ने इस दिखावे को समझ लिया। खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरोप लगाया कि भारत का कच्चे तेल का उत्पादन लगातार 11वें वर्ष गिरावट पर है और 2014-15 से अब तक कुल उत्पादन में लगभग 22 प्रतिशत की कमी आई है। गैस उत्पादन में भी लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। एलपीजी कनेक्शन बंद कर दिए गए हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए लंबी प्रतीक्षा और कालाबाज़ारी का सामना करना पड़ रहा है।

औरैया में 26 अप्रैल को जनपद वासियों से सीधे जुड़ेंगे प्रधानमंत्री मोदी

औरैया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के आगामी प्रसारण को लेकर उत्तर प्रदेश के जनपद औरैया में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तैयारियां तेज कर दी है। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को जिला कार्यलय तुर्कीपुर में आयोजित की गई।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26 अप्रैल रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देशवासियों से संवाद करते हुए औरैया जिले से पहली बार लाइव जुड़ेंगे।

विधानसभा चुनाव: बंगाल में 91%, तमिलनाडु में 85 प्रतिशत मतदान

एजेंसी

- प. बंगाल1478 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद
- तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों पर मतदान के दौरान देखने को मिला जबर्दस्त उत्साह

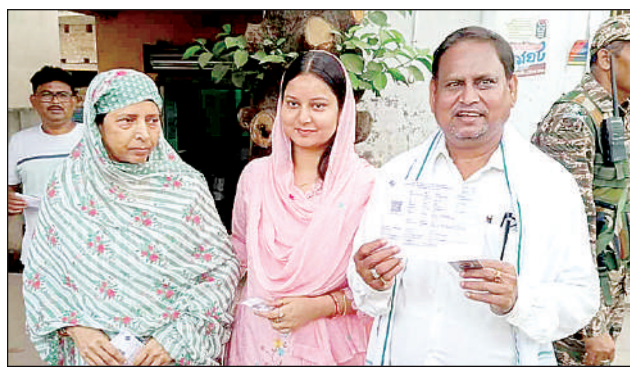

नई दिल्ली/ कोलकाता/चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा की सभी सीटों और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के प्रथम चरण में गुरुवार को मतदाताओं का जबर्दस्त उत्साह सामने आया। चिलचिलाती धूप और गर्म हवा के थपेड़ों के बावजूद सुबह 7 से शाम 6 बजे तक दोनों ही राज्यों के मतदाताओं ने पिछले आंकड़ों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पश्चिम बंगाल में 91.40 फीसदी और तमिलनाडु में 84.35 फीसदी मतदान हुआ। इस दौरान पश्चिम बंगाल में छिटपुट हिंसा की घटनाएं सामने आईं जबकि तमिलनाडु में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण मतदान हुआ। मतगणना 4 मई को होगी।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान आज राज्यभर में कड़ी सुरक्षा और व्यापक प्रशासनिक निगरानी के बीच संपन्न हुआ। इस चरण में 16 जिलों की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ, जिसमें कुल 1478 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में बंद हो गया। सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं और पूरे दिन मतदान का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। खास बात यह है कि इस बार जबर्दस्त मतदान हुआ है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में 91.40 प्रतिशत मतदान हुआ, जो पिछले चुनावों की तुलना में काफी अधिक है।

इस चरण में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी, अलीपुरद्वार, कूचबिहार, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा, मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पश्चिम बर्धमान, पुरुलिया, बांकुड़ा, झाड़ग्राम, पश्चिम मेदिनीपुर और पूर्व मेदिनीपुर जैसे जिलों में मतदान हुआ। ये सभी जिले भौगोलिक और सामाजिक रूप से विविधता वाले क्षेत्र हैं, जिनमें सीमावर्ती इलाके, चाय बागान क्षेत्र, आदिवासी बहुल क्षेत्र, ग्रामीण इलाकों के साथ-साथ शहरी केंद्र भी शामिल हैं। चुनाव आयोग के अनुसार प्रथम चरण में लगभग 3.6 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के पात्र थे। कुल 44,376 मतदान केंद्र बनाए गए थे। 5644 मतदान केंद्रों का संचालन महिलाकर्मियों द्वारा किया गया, जबकि 207 मतदान केंद्रों को मॉडल केंद्र के रूप में विकसित किया गया था।

सुरक्षा की दृष्टि से यह चरण अबतक के सबसे सख्त इंतजामों में से एक माना जा रहा है। पूरे राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 2407 कंपनियां तैनात की गईं। संवेदनशील और अति-संवेदनशील बूथों पर अतिरिक्त निगरानी, ड्रोन सर्विलांस, फ्लाइंग स्क्वॉड और विशेष पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई।

मतदान के दौरान अधिकांश सीटों पर भारी उत्साह देखने को मिला और कई जिलों में मतदान 90 प्रतिशत से अधिक दर्ज किया गया। दक्षिण दिनाजपुर सबसे आगे रहा, जहां 93.12 प्रतिशत मतदान हुआ। केवल कालिम्पोंग ऐसा जिला रहा जहां मतदान 81.98 प्रतिशत रहा।

हालांकि, पहले चरण के मतदान के दौरान कुछ हिस्सों में छिटपुट हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएं भी सामने आई हैं। दक्षिण दिनाजपुर के कुमारगंज में भाजपा प्रत्याशी पर हमले का आरोप लगा, जबकि बीरभूम के लाभपुर में भाजपा एजेंट के घायल होने की घटना सामने आई। इसी जिले के खैराशोल में ईवीएम खराबी के बाद मतदान रुका, जिसके बाद पथराव और पुलिस वाहन में तोड़फोड़ की खबरें आईं, जिसमें एक सुरक्षाकर्मी का सिर फट गया। मुर्शिदाबाद के नाओदा में आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर के काफिले पर हमला हुआ। पश्चिम मेदिनीपुर में भी झड़प, पिटाई और केंद्रीय बलों पर आरोप-प्रत्यारोप देखने को मिले। कूचबिहार, आसनसोल और सिलीगुड़ी में भी बूथ प्रभावित करने, गाड़ी पर हमला और फर्जी मतदान जैसी शिकायतें सामने आईं। पश्चिम बंगाल में दूसरे एवं अंतिम चरण में 142 सीटों पर 29 अप्रैल को मतदान होगा।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव- तमिलनाडु विधानसभा की सभी 234 सीटों पर आज मतदान के दौरान जबर्दस्त उत्साह देखने को मिला। चुनाव आयोग के मुताबिक राज्य में रिकॉर्ड 84.35 प्रतिशत मतदान हुआ। राज्य में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता हैं। वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 10 मई को समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के आज सुबह 07 बजे से मतदान शुरू हुआ जो शाम 06 बजे तक जारी रहा। व्यापक सुरक्षा प्रबंधों के बीच राज्य के तमाम हिस्सों में सुबह से ही मतदान केंद्रों पर मतदाता कतारों में अपनी बारी का इंतजार करते दिखे।

तिरुवल्लूर जिले के कलेक्टर और चुनाव अधिकारी प्रताप ने बताया कि शाम 6 बजे तक जो भी मतदाता मतदान केंद्र में प्रवेश कर चुका है, वह चाहे जितनी देर कतार में खड़ा रहे, रात 8 या 9 बजे के बाद भी उसे मतदान की अनुमति दी जाएगी और इसके लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। तमिलनाडु में सत्ताधारी कांग्रेस और डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन और भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन के बीच मुख्य मुकाबला दिख रहा है, लेकिन अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के मैदान में उतरने से चुनावी मुकाबला काफी रोचक बनकर उभरा है।

साल 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को निर्णायक जीत मिली, जिसने 234 सीटों में से 159 सीटें जीतीं। इसके मुकाबले एआईएडीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 75 सीटें मिली थी।

डीएमके ने इसबार 164 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं जबकि 70 सीटें उसने कांग्रेस सहित अन्य सहयोगी दलों के लिए छोड़ी। इसी तरह एआईएडीएमके ने 169 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए अपने सहयोगियों के लिए 65 सीटें छोड़ी हैं जिसमें भाजपा के लिए 27 सीटें शामिल हैं। जबकि पहली बार चुनाव मैदान में उतरी विजय के नेतृत्व वाली टीवीके ने राज्य की सभी 234 निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारे हैं।

राज्यभर में कुल 4,023 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें कई बड़े नेता शामिल हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन चेन्नई के कोलाथुर से लगातार दूसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं। उनके बेटे और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन चेपॉक-थिरुवल्लिकेनी से चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी ओर, एआईएडीएमके प्रमुख और विपक्ष के नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी सलेम जिले के एडप्पाडी से चुनाव लड़ रहे हैं। पहली बार चुनाव लड़ रहे टीवीके प्रमुख विजय चेन्नई के पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व, दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। आज तमिलनाडु के मतदान केंद्रों पर राजनीतिक दिग्गजों के अतिरिक्त कई जानी-मानी हस्तियां नजर आईं। सुपरस्टार रजनीकांत, फिल्ममेकर एटली, म्यूजिक कंपोजर अनिरुद्ध रविचंदर, अभिनेता धनुष, अजित कुमार, कमल हासन और श्रुति हासन ने अपना वोट डाला। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेट खिलाड़ी रविचंद्रन अश्विन ने पत्नी प्रीथि नारायण के साथ चेन्नई के मतदान केंद्र पर वोट डाला।

यूपी बोर्ड परीक्षा परिणाम घाषित

हाईस्कूल में 90.42 और इंटर में 80.38 फीसदी छात्र उत्तीर्ण

- सीतापुर की कशिश वर्मा व शिखा वर्मा ने किया टॉप
- हाईस्कूल में 90.42 एवं 12वीं में 80.38 प्रतिशत छात्र रहे उत्तीर्ण–हाईस्कूल में बालक 87.30 व बालिका 93.76, इण्टर मीडिएट में बालक 75.04 व बालिका 86.32 प्रतिशत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

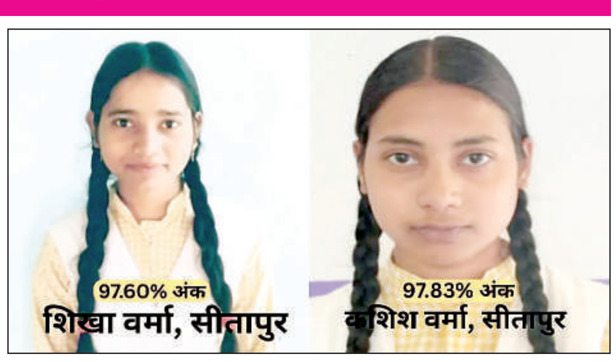

प्रयागराज। माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश (यूपी बोर्ड) की हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा 2026 का परिणाम घाषित कर दिया गया। हाईस्कूल में 90.42 प्रतिशत तथा इण्टर में 80.38 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं। दसवीं में सीतापुर से कशिश वर्मा एवं 12वीं में सीतापुर से ही शिखा वर्मा ने टॉप किया है।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक-सभापति डॉ. महेन्द्र देव एवं यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने गुरूवार को अपराह्न चार बजे बोर्ड मुख्यालय पर बार्ड की 10वी और 12वीं परिक्षाओं का परिणाम घोषित किया। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 18 फरवरी से 12 मार्च तक कुल 8033 परीक्षा केन्द्रों पर हुई थी। इस वर्ष 53 लाख 37 हजार 773 परीक्षार्थियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट पंजीकरण कराया था। इसमें 10वीं में 26 लाख 01 हखार 381 एवं 12वीं में 24 लाख 86 हखार 072 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए। उन्हाने बताया कि यूपी बोर्ड ने कापियों का मूल्यांकन 254 केन्द्रों पर 18 मार्च से 04 अप्रैल के बीच कराया था। यूपी बोर्ड सचिव ने बताया कि हाईस्कूल में 13 लाख 43 हजार 524 बालक तथा 12 लाख 57 हजार 857 बालिकाओं ने परीक्षा दी। इसमें से 11 लाख 72 हजार 862 बालक तथा 11 लाख 79 हजार 319 बालिकाएं उत्तीर्ण हुए हैं। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.30 एवं बालिकाओं का 93.76 प्रतिशत है। हाईस्कूल उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कुल 92 हजार 594 परीक्षकों द्वारा सम्पन्न हुआ।

इसी प्रकार 12वीं में कुल 24 लाख 86 हजार 072 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए। उसमें 13 लाख 09 हजार 397 बालक एवं 11 लाख 76 हजार 675 बालिकाएं हैं। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 75.04 तथा बालिकाओं का 86.32 प्रतिशत है। इण्टरमीडिएट उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कुल दो चरणों में 55 हजार 973 परीक्षकों ने पूरा किया।

नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती : योगी

- गोरखपुर नगर निगम की लगभग 1,055 करोड़ रु0 लागत की 497 परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब नीयत साफ हो तो नियति बदलने में देर नहीं लगती है। करने की दृढ़ इच्छाशक्ति हो और नीयत भी उसी के अनुरूप हो तो परिस्थितियां बदलती हुई दिखाई देती हैं। गोरखपुर में नौ वर्षों के अंदर आया विकासपरक परिवर्तन इसका प्रमाण है।

मुख्यमंत्री योगी गुरुवार पूर्वाह्न राप्ती नदी के एकला बंधा पर लिगेसी वेस्ट का निस्तारण कर बनाए गए ईको पार्क, नौसढ़-मलौनी फोरलेन सड़क सहित विकास की 1055 करोड़ रुपये की लागत वाली 497 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने स्वच्छता टूलकिट और कैलेंडर का अनावरण कर स्वच्छ स्कूल अभियान का भी शुभारंभ किया।

एकला बंधे पर आयोजित लोकार्पण-शिलान्यास समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अच्छा करने की इच्छाशक्ति हो तो बहुत कुछ परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने एकला बंधा पर ईको पार्क के रूप में हुए नए कायाकल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि वाराणसी या लखनऊ की तरफ से गोरखपुर प्रवेश करते ही सबसे पहला मुकाबला कचरे से होता था। बहुत भद्दा और बहुत बुरा लगता था। पर, करने की इच्छाशक्ति से धीरे-धीरे परिवर्तन होता गया। उन्होंने कहा कि आज से 30-35 वर्ष पहले, आज जहां ट्रांसपोर्टनगर बना है, पहले गोरखपुर का सारा कचरा वही डंप होता था। नगर निगम ने उसका समाधान किया तो आज वहां ट्रांसपोर्टनगर है, बेहतरीन मार्केट और गोरखपुर की मंडी है।

मीरजापुर सड़क हादसा : चार चिताओं पर एक साथ जले छह शव, फफक पड़ा जनसमूह

मीरजापुर। ड्रमंडगंज घाटी में हुए भीषण सड़क हादसे ने एक खुशहाल परिवार की सारी खुशियां पलभर में छीन लीं। मैहर धाम से मुंडन संस्कार कर लौट रहे परिवार के छह सदस्यों की जिंदा जलकर मौत के बाद गुरुवार को जैसे ही शव नरैना गांव स्थित पैतृक घर पहुंचे, पूरे गांव में कोहराम मच गया। सफ़ेद कफन में लिपटे शवों को देखते ही परिजन बेसुध हो गए और हर आंख नम हो उठी।

मदरसों की एटीएस जांच के आदेश पर जवाब तलब

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने प्रदेश के मदरसों की एंटी-टेररिज्म स्क्वाड द्वारा जांच कराए जाने के आदेश पर राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह उस आधार को स्पष्ट करे जिसके तहत एटीएस को इन शिक्षण संस्थानों की जांच करने का निर्देश दिया गया।

यह आदेश न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा और न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह की खंडपीठ ने टीचर्स एसोसिएशन मदारिस अरबिया व अन्य प्रबंध समितियों की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया।

याचिकाकर्ताओं ने आईजी एटीएस द्वारा 9 दिसम्बर 2025 को जारी उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें प्रदेश के मदरसों की जांच एटीएस से कराने को कहा गया था। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि राज्य के मदरसे उत्तर प्रदेश बोर्ड ऑफ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 और 2016 की नियमावली के तहत कानूनी रूप से संचालित हो रहे हैं। ऐसे में अचानक एटीएस जांच का आदेश देना उनके अधिकारों का हनन है। मदरसों के वकीलों ने कहा कि जांच का आदेश पूरी तरह से मनमाना और निराधार है। एटीएस के 26 दिसम्बर 2025 के मांग पत्र में विदेशी फंडिंग या किसी भी संदिग्ध गतिविधि का कोई ठोस जिक्र नहीं है।

फ्रांस के हवाई अड्डों पर भारतीयों को ट्रांसिट वीजा से मिली छूट

एजेंसी

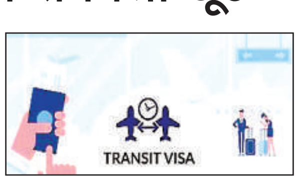

नई दिल्ली। फ्रांस ने अपने यूरोपीय क्षेत्र के हवाई अड्डों से पारगमन सुविधा का इस्तेमाल करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए ट्रांसिट वीजा लेने की अनिवार्यता समाप्त कर दी है।

गत 10 अप्रैल से लागू इस निर्णय के तहत भारतीय यात्री आगे के गंतव्य के लिए विमान बदलने के लिए यदि किसी फ्रांसीसी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करते हैं तो अब उन्हें इसके लिए ट्रांजिट वीजा नहीं लेना होगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में गुरुवार को नियमित प्रेस ब्रीफिंग में जानकारी देते हुए कहा कि फ्रांस से होकर केवल हवाई मार्ग से पारगमन करने वाले भारतीय नागरिकों के लिए अब 10 अप्रैल 2026 से ट्रांजिट वीजा की आवश्यकता खत्म हो गई है। उन्होंने बताया कि यह कदम भारत और फ्रांस के बीच मजबूत और दीर्घकालिक साझीदारी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति के भारत दौरे के दौरान इस विषय पर सहमति बनी थी। इसके बाद इसे लागू किया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि इस निर्णय से दोनों देशों के बीच लोगों की आवाजाही और संपर्क को और सरल बनाया जाएगा।

अजमेर के बाद अब देवा शरीफ पर सवाल

अभयानंद शुक्ल

- बाराबंकी की विश्व प्रसिद्ध हाजी वारिस की दरगाह के नीचे शिव मंदिर होने का दावा
- महाराणा प्रताप सेना ने मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन, एएसआई से जांच कराने की उठाई मांग
- अयोध्या, काशी, मथुरा और संभल के बाद अब देवा शरीफ हो सकती है हिंदुत्व की प्रयोगशाला

लखनऊ। अभी अजमेर शरीफ दरगाह में मंदिर होने के दावे का कोई हल नहीं निकला है, और यूपी के बाराबंकी की देवा शरीफ दरगाह में भी मंदिर होने का दावा हो गया है। इस बार महाराणा प्रताप सेना नामक संगठन ने देवा शरीफ की दरगाह में शिव मंदिर होने का दावा कर सनसनी फैला दी है। उसके मुताबिक बाराबंकी जिले के देवा कस्बे की हाजी वारिस की विश्व प्रसिद्ध मजार के नीचे शिव मंदिर है। इस बाबत एएसआई से जांच कराने की मांग वाला ज्ञापन भी सीएम को दिया गया है। यानी अयोध्या, काशी, मथुरा और संभल के बाद हिंदुत्व की एक और प्रयोगशाला बाराबंकी में तैयार होने वाली है।

इस बाबत महाराणा प्रताप सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजवर्धन सिंह परमार ने दावा किया है कि देवा में दरगाह नहीं, महादेव मंदिर है। उन्होंने इसकी जांच के लिए सीएम योगी को पत्र लिखा है। पत्र के मुताबिक अगर 15 दिन के अंदर कार्रवाई नहीं हुई तो इसके लिए आंदोलन शुरू होगा।

परमार का कहना है कि अव्वल तो इस्लाम में मजार का कोई कॉन्सेप्ट ही नहीं है। यह बरेलवी मुसलमानों का बनाया हुआ धोखा है। मजारों के नाम पर लोगों को गुमराह कर पैसे की वसूली की जा रही है, माताओं बहनों को बहलाकर उनका मानसिक शोषण किया जा रहा है। मेरी सरकार से मांग है कि इसकी जांच कराई जाए ताकि दूध का दूध पानी का पानी हो सके। उन्होंने बताया कि मेरी शिकायत पर ही अजमेर दरगाह की जांच शुरू हुई और कोर्ट में मुकदमा चल रहा है।

सीएम योगी आदित्यनाथ भी पहले ही कह चुके हैं कि जहां-जहां मस्जिदों के नीचे मंदिर की बात निकलेगी, उसका पता लगाएंगे और मुक्त कराएंगे। मतलब अयोध्या, काशी, मथुरा और संभल के बाद अब एक और शहर बड़े विवाद का केंद्र बन सकता है। बाराबंकी जिले के देवा कस्बे की विश्व प्रसिद्ध मजार को हजरत वारिस अली शाह की दरगाह कहा जाता है। वैसे मजार के नीचे महादेव मंदिर होने का दावा पहले भी कुछ हिंदू संगठनों और व्यक्तियों द्वारा किया जाता रहा है। इस बार यह दावा महाराणा प्रताप सेना ने किया है। दावा किया जा रहा है कि यह स्थान महादेव का मंदिर है, इसीलिए इसे 'देवा' नाम (देव से) मिला है। यह भी दावा है कि परिसर में ही एक हनुमान मंदिर है, जिसे उपेक्षित रखा गया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार हाजी वारिस की मौत 7 अप्रैल 1905 में हुई थी। बाद में उनकी याद में ये मजार बनाई गई थी। फिर मेला लगना शुरू हो गया। यहां के दुकानदार शिव मंदिर वाली खबर सुनने के बाद परेशान हैं। बातचीत में वे इस बात की दुहाई देते हैं कि ये मजार तो गंगा-जमुनी तहजीब की विरासत है। यहां होली मनाई जाती है, दिवाली मनाई जाती है, और हिंदू मुस्लिम मिलकर यहां पर रहते हैं। दरगाह के इमाम कारी आज़म ने भी कहा है कि ये बहुत पुरानी मजार है।

19वीं सदी की इस दरगाह को सूफी साहब के ''प्रेम ही ईश्वर है'' के संदेश ने आध्यात्मिक केंद्र बनाया है। यहां के लोग मानते हैं कि जो रब है, वही राम है। यहां 10 दिनी उर्स लगता है जो अक्टूबर-नवंबर में आयोजित होता है। इस दौरान मुशायरा, कव्वाली आयोजित होते हैं। वैसे कुछ दिनों पूर्व ये दरगाह विवाद के घेरे में आ गई थी। आरोप है कि तिलक लगा कर मजार जा रहे हरीश शर्मा नामक एक युवक को रोक दिया गया था। बाद में हल्ला मचा तो उसका तिलक साफ कराकर ही अंदर जाने दिया गया।

क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन में आठ राज्यों के कृषि व उद्यान मंत्री होंगे शामिल

- क्षेत्रीय कृषि का उदघाटन करेंगे केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधनी लखनऊ के सेन्ट्रम होटल में 24 अप्रैल को क्षेत्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, जम्मू काश्मीर व लद्दाख के कृषि मंत्री, उद्यान मंत्री व कृषि विशेषज्ञ शामिल होंगे। सम्मेलन का उदघाटन केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने गुरूवार को लोकभवन में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान दी। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप साही ने पत्रकारों से कहा कि खेती किसानी को नई दिशा देने और किसानों को मजबूत करने के उद्देश्य से इस क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन में केकेसी, बागवानी की संभावनाएं, दलहन मिशन, तिलहन मिशन, फार्मर रजिस्ट्री व खेती में उपयोग हेतु वैकल्पिक उर्वरकों पर चर्चा होगी। सूर्य प्रताप शाही ने बताया उत्तर भारत सम्पूर्ण देश के खाद्य सुरक्षा का आधार है।

उत्तर भारत के राज्य देश में गेहूँ, धान, गन्ना, दूध, फल एवं सब्जियों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के साथ–साथ कृषि उत्पादों के उपभोग में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह भारत वर्ष का सबसे उत्पादक एवं जल समृद्ध क्षेत्र है, जहां पर खाद्यान्न एवं औद्योनिक फसलों के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन की अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। सम्मेलन में शामिल होने वाले राज्यों के प्रतिनिधि अपने–अपने राज्य की विशेष उपलब्धियों का प्रस्तुतिकरण करेंगे।

पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हुआ भूमि फैस्ट का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में एसएफडी अवध द्वारा युवाओं में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उन्हें नवाचार के माध्यम से सतत विकास की दिशा में कार्य करने के लिए भूमि फ़ेस्ट का आयोजन हुआ। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान संस्थान के अपर महानिदेशक परमिंदर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर विद्यालय एवं महाविद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण एवं सतत विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने कार्यशील मॉडलों का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रस्तुत मॉडलों में प्राकृतिक वातानुकूलन, ऊर्जा दक्ष स्मार्ट सिटी, वायु एवं जल प्रदूषण, नवीकरणीय संसाधन तथा पर्यावरण अनुकूल सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल थे। यह आयोजन न केवल छात्रों के लिए अपने विचारों को प्रस्तुत करने का एक सशक्त मंच बना, बल्कि समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश भी देने में सफल रहा।

मोहानलालगंज में सपा सांसद और पूर्व विधायक का जनसंपर्क अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मोहनलालगंज। लखनऊ राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के तहत सपा सांसद आर. के. चौधरी ने सौसीरन गांव का दौरा किया। इस दौरान उनके साथ पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर भी मौजूद रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने गांव की सपेरा बस्ती में निवासी पृथ्वी नाथ सपेरा के घर पहुंचकर उनका कुशलक्षेम जाना और परिवार की स्थिति का जायजा लिया।

भ्रमण के दौरान सांसद ने सपेरा के बेटे से संवाद किया। बच्चे ने बताया कि वह गुरुकुल एकेडमी, डेहवा बनी रोड मोहनलालगंज में कक्षा तीन का छात्र है और नियमित रूप से स्कूल जाता है। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण उसकी पढ़ाई प्रभावित होने की आशंका जताई गई।

स्थिति को देखते हुए सांसद आर. के. चौधरी ने मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए बच्चे की शिक्षा का पूरा खर्च उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि अब बच्चे की पढ़ाई को लेकर किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है और आगे की जिम्मेदारी वह स्वयं निभाएंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षा से संबंधित समस्त खर्च उनके स्तर से वहन किया जाएगा।

वहीं पूर्व विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने जानकारी दी कि पृथ्वी नाथ का बेटा पहले सौसीरन गांव स्थित सरकारी विद्यालय में कक्षा दो में पढ़ाई कर रहा था, जिसका बाद में निजी स्कूल में प्रवेश कराया गया।

इस अवसर पर विधान सभा अध्यक्ष/सांसद प्रतिनिधि उमाशंकर वर्मा, बचान सिंह यादव, रामकिशोर रावत, हरीशंकर रावत सहित अनेक स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। सभी ने सांसद की इस पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। सांसद एवं पूर्व विधायक का यह क्षेत्र भ्रमण न केवल जनसंपर्क का माध्यम बना, बल्कि जरूरतमंद परिवार की सहायता कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का एक सराहनीय उदाहरण भी प्रस्तुत किया।

गैस एजेंसी की अनियमितताओं की जांच के लिए समाजसेवियों ने एसडीएम से की शिकायत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

निगोहा। लखनऊ निगोहा कस्बे में स्थित इंडेन गैस एजेंसी के संचालक और एक समाजसेवी के बीच उपजा विवाद अब तूल पकड़ता जा रहा है। गैस की घटतौली और कालाबाजारी का विरोध करने पर एजेंसी संचालक द्वारा समाजसेवी के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। इस मामले में गुरुवार को समाजसेवियों के एक गुट ने एसडीएम मोहनलालगंज से मुलाकात कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला- बुधवार को स्थानीय मोइन खान पत्रकार गैस एजेंसी में हो रही कथित घटतौली और कालाबाजारी की शिकायत लेकर एजेंसी पहुंचे थे। आरोप है कि जब उन्होंने इस पर विरोध जताया, तो संचालक राजीव सैनी आगबबूला हो गए। मोइन का आरोप है कि संचालक ने उनके साथ न केवल गाली-गलौज और अभद्रता की, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी।

एसडीएम से मिले समाजसेवी- मामले की गंभीरता को देखते हुए गुरुवार को समाजसेवियों का एक गुट एसडीएम मोहनलालगंज पवन पटेल से मिला। समाजसेवी विमल सिंह ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसी का लाइसेंस किसी अन्य के नाम पर है, लेकिन इसका संचालन राजीव सैनी द्वारा मनमाने ढंग से किया जा रहा है। एजेंसी का गैस गोदाम सरकारी चक मार्ग पर अवैध रूप से बनाया गया है।इससे पहले भी एक भाजपा कार्यकर्ता के साथ अभद्रता की घटना हो चुकी है।होगी कठोर कार्रवाईः एसडीएम- शिकायत को सुनने के बाद एसडीएम पवन पटेल ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध कब्जे और अभद्रता के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। यदि संचालक दोषी पाया जाता है, तो उसके खिलाफ विधिक और दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।पवन पटेल, एसडीएम मोहनलालगंज गैस एजेंसी की कार्यप्रणाली और अवैध निर्माण को लेकर शिकायत मिली है। जांच के निर्देश दिए गए हैं, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

राहत ए इंसानियत फाउंडेशन ने विकासनगर में पेश की इंसानियत की मिसाल

विकासनगर। इंसानियत और सेवा की एक प्रेरणादायक मिसाल पेश करते हुए राहत ए इंसानियत फाउंडेशन की टीम ने विकासनगर क्षेत्र में आग से प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर राहत सामग्री वितरित की। हाल ही में आग की घटना में जिन लोगों के घर जलकर राख हो गए थे, उनके लिए यह मदद किसी संजीवनी से कम नहीं रही। फाउंडेशन द्वारा वितरित राहत सामग्री में एक महीने का राशन शामिल था, जिसमें आटा, चावल, दालें, शक्कर, तेल, चाय पत्ती और मसाले जैसी आवश्यक वस्तुएं दी गईं। इसके साथ ही बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए स्कूल बैग, पेंसिल बॉक्स और कॉपी-किताबें भी प्रदान की गईं। राहत कार्य के दौरान पीने के पानी, लस्सी और अन्य जरूरी सामान की भी व्यवस्था की गई। इस मानवीय सेवा अभियान का नेतृत्व फाउंडेशन के चेयरमैन चाँद कुरैशी ने किया। उनके मार्गदर्शन में टीम ने लगभग 400 से 500 जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई।

नवयुग कन्या महाविद्यालय में बी.ए. तृतीय वर्ष छात्राओं का विदाई समारोह सम्पन्न

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नवयुग कन्या महाविद्यालय में बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्राओं का विदाई समारोह सांस्कृतिक समिति द्वारा हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने महाविद्यालयीन जीवन की यादों को साझा किया, जिससे वातावरण भावुक एवं उल्लासपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम का आयोजन छात्रा टीम निलाक्षी शर्मा, वेदिका तिवारी, कोमल रावत, रोशनी, खुशी एवं शुभांगी द्वारा अत्यंत सुनियोजित ढंग से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या एवं प्रवक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुस्कान मिश्रा ने सरस्वती वंदना एवं दीप स्तुति कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पूरे कार्यक्रम का संचालन मुस्कान मिश्रा एवं अरुंधति द्वारा प्रभावशाली ढंग से किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। रोशनी, वेदिका एवं निलाक्षी के नृत्य प्रदर्शन ने सभी का मन मोह लिया, वहीं शुभांगी सिंह ने अपनी स्टैंड-अप कॉमेडी से उपस्थित जनों को खूब हंसाया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण टाइटल सेरेमनी रही, जिसमें तीन राउंड -रैम्पवाक, टैलेंट, प्रश्नोत्तरी द्वारा दिव्यांशी को मिस फ़ेयरवेल''2026 का खिताब प्रदान किया गया। रश्मि सिंह को प्रथम उपविजेता, नंदिता यादव को द्वितीय उपविजेता, वैष्णवी श्रीवास्तव को ऑल राउंडर तथा शीतल मिश्रा को ब्यूटीफुल स्माइल के खिताब से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने महाविद्यालय जीवन की सुंदर यादों को संजोकर रखें। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के मार्गदर्शन और मित्रों के साथ बिताया गया समय जीवनभर खट्टी-मीठी यादों के रूप में उनके साथ रहेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन सांस्कृतिक समिति की सदस्य प्रो. सीमा सरकार, प्रो. सीमा पांडे एवं डॉ. सुकन्या तिवारी के मार्गदर्शन में हुआ। निर्णायक मंडल में राजनीति शास्त्र विभाग की डॉ. गीताली रस्तोगी एवं डॉ. श्वेता उपाध्याय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई।

डिजिटल इंडिया के दौर में सरकारी वेबसाइटों से 'मूल हिन्दी' गायब, गृह मंत्री को लिखा पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- हिन्दी का मूल स्वरूप खत्म करने और संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप

लखनऊ। देश में डिजिटल गवर्नेंस के विस्तार के बीच एक बड़ा भाषाई विवाद खड़ा हो गया है। सरकारी वेबसाइटों से मूल हिन्दी संस्करण हटाकर मशीनी अनुवाद आधारित सिस्टम लागू करने के खिलाफ अब आवाजें तेज हो गई हैं। इस मुद्दे को लेकर एक विस्तृत और तीखा विरोध पत्र सीधे गृह मंत्रालय और संसदीय राजभाषा समिति तक भेजा गया है, जिसमें इसे हिन्दी की संवैधानिक स्थिति पर सीधा प्रहार बताया गया है।

सिद्धार्थनगर, खटाऊ मिल लेन, बोरीवली पूर्व, मुंबई निवासी प्रवीण कुमार जैन की ओर से भेजे गए इस पत्र में आरोप है कि भारत सरकार की अधिकांश वेबसाइटों पर अब अंग्रेजी ही मूल भाषा के रूप में बची है। जबकि हिन्दी को केवल अनुवाद टूल्स भाषिणी और अनुवादिनी के सहारे दिखाया जा रहा है। इससे हिन्दी की स्थिति राजभाषा से घटकर अनुवाद की भाषा तक सीमित हो गई है।

संवैधानिक उल्लंघन का आरोप

पत्र में सबसे गंभीर सवाल संविधान के अनुच्छेद 343 और राष्ट्रपति के आदेशों के उल्लंघन को लेकर उठाया गया है। इसमें कहा गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी है, जिसका अर्थ मूल भाषा होना चाहिए, न कि अनुवादित विकल्प। साथ ही 2 जुलाई 2008 के उस आदेश का भी हवाला दिया गया है, जिसमें सभी सरकारी वेबसाइटों को द्विभाषी बनाए रखना अनिवार्य बताया गया था। आरोप है कि वर्तमान व्यवस्था इस आदेश की भी अनदेखी कर रही है।

विकल्प या प्रतिस्थापन?

विरोध पत्र में साफ कहा गया है कि भाषिणी और अनुवादिनी जैसे टूल्स अन्य भारतीय भाषाओं के लिए उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन हिन्दी के लिए इन्हें प्रतिस्थापन के रूप में लागू करना गलत है। आरोप है कि इन टूल्स का अनुवाद स्तर बेहद कमजोर और संदर्भहीन है,जिससे सरकारी सूचनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। पत्र में यह भी सवाल उठाया गया है कि जब हर विभाग में राजभाषा अधिकारी और अनुवादक मौजूद हैं तो मशीनी अनुवाद पर पूरी निर्भरता का क्या औचित्य है?

भाषाई भेदभाव के आरोप

मामले ने और तूल तब पकड़ लिया जब भाषिणी प्लेटफॉर्म को लेकर कई तकनीकी और भाषाई खामियों का जिक्र किया गया। आरोप है कि प्लेटफॉर्म का लोगों और इंटरफ़ेस मुख्यतः अंग्रेजी में है। रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया में देवनागरी में नाम लिखने पर प्रतिबंध जैसी स्थिति है। यूजर को भेजे जाने वाले ईमेल भी केवल अंग्रेजी में है। खुद प्लेटफॉर्म की हिन्दी वेबसाइट तक पूर्ण रूप से विकसित नहीं है।

30 अप्रैल तक 100% फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य, जायद 2026 के लिए डिजिटल क्रॉप सर्वे की तैयारी तेज

लखनऊ। प्रदेश में जायद 2026 सीजन की तैयारियों के तहत सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री को लेकर अभियान तेज कर दिया है। निर्देश दिए गए हैं कि 30 अप्रैल 2026 तक 100 प्रतिशत किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। इसके लिए विशेष रूप से उन गांवों पर फोकस किया जा रहा है जहां अब तक रजिस्ट्री का सैचुरेशन कम है। अभियान के तहत सभी भूमिधर किसानों को शामिल किया जाएगा, चाहे वे पीएम किसान योजना के लाभार्थी हों या नहीं।किसानों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जिलों को व्यापक जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें लाउडस्पीकर के माध्यम से घोषणाएं, स्थानीय समाचार पत्रों में विज्ञापन और ग्राम प्रधानों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

उत्कर्ष इंटरनेशनल स्कूल ने पृथ्वी दिवस पर मनाया अपने सतत विकास सप्ताह का चौथा संस्करण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

चिनहट/लखनऊ। उत्कर्ष इंटरनेशनल स्कूल ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर अपने सतत विकास सप्ताह का चौथा संस्करण मनाया। स्कूल ने अपशिष्ट पृथक्करण पर अभिभावकों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया और उन्हें सतत विकास के महत्व और छोटे बदलावों से होने वाले बड़े परिवर्तन के बारे में शिक्षित किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल थीं, जिन्होंने सतत विकास पर एक सप्ताह तक चलने वाले इस उत्सव के आयोजन और जागरूकता फैलाने के लिए छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी। स्कूल के संस्थापक डॉ. ज्योत्सना श्रीवास्तव और उमेश श्रीवास्तव, निदेशक वाग्मिता श्रीवास्तव के साथ उपस्थित थे। इस अवसर पर एकाना स्टेडियम की मालिक सोनम सिन्हा भी मौजूद थीं, जो FICCI FLO, लखनऊ चैप्टर की कार्यकारी समिति सदस्य भी हैं। अभिभावकों के लिए एक छोटा सा प्रश्नोत्तरी सत्र आयोजित किया गया और उन्हें पुनर्चक्रित कागज के पेन उपहार स्वरूप दिए गए।

एनीमिया की रोकथाम के लिए समय पर जांच और उपचार जरूरीः अमित कुमार घोष

लखनऊ। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित कुमार घोष ने कहा कि एनीमिया बच्चों के संज्ञानात्मक विकास को प्रभावित करता है और उनकी सोचने-समझने की क्षमता को कम कर देता है, जिससे दीर्घकाल में आर्थिक हानि भी होती है। अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य ने यह विचार गुरूवार को लखनऊ के एक होटल में एनीमिया विषय पर आय़ोजित राज्य स्तरीय मीडिया संवेदीकरण कार्यशाला में व्यक्त किए। कार्यशाला का उद्देश्य एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा इसके प्रभावी नियंत्रण एवं उपचार के लिए मीडिया की भूमिका को सुदृढ़ करना था। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने एनीमिया मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एनीमिया नियंत्रण को उच्च प्राथमिकता दी है। इस अभियान की 6x6x6 रणनीति जीवन के प्रत्येक चरण में एनीमिया की रोकथाम और उपचार पर केंद्रित है, जिसमें शिशु, किशोर और गर्भवती महिलाएं प्रमुख रूप से शामिल हैं।

13 हजार किमी की साइकिल यात्रा ने जगाई नई सोच, साक्षी बना लखनऊ

- विकसित भारत–चारधाम साइकिल यात्रा ने छेड़ी बदलाव की लहर
- देश का विकास केवल नीतियों से नहीं, जनभागीदारी से संभवः दीपक शर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। देश में नशा मुक्ति के लिए युवाओं को खेल और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करने तथा विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से निकली 'ऑपरेशन सिंदूरः 9 संकल्प विकसित भारत-चारधाम साइकिल यात्रा' उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंची है। हरियाणा के पानीपत से शुरू हुई यह यात्रा अब एक व्यक्तिगत प्रयास से आगे बढ़कर राष्ट्रीय स्तर के जनजागरण अभियान का रूप ले चुकी है। यात्रा की शुरुआत 25 मई 2025 को पानीपत निवासी युवा सामाजिक कार्यकर्ता दीपक शर्मा ने की थी। अब तक वे 13 हजार किलोमीटर से अधिक की दूरी तय कर चुके हैं और 20 से ज्यादा राज्यों का भ्रमण कर चुके हैं। उनका लक्ष्य करीब 15 हजार किलोमीटर की दूरी पूरी कर देशभर में जागरूकता फैलाना है।

दीपक शर्मा ने हिन्दुस्थान समाचार से कहा कि देश में युवाओं के सामने नशे की बढ़ती प्रवृत्ति,शारीरिक निष्क्रियता और लक्ष्यहीनता जैसी गंभीर चुनौतियां हैं। इन्हीं मुद्दों को ध्यान में रखते हुए साइकिल के माध्यम से सीधे लोगों तक पहुंचने का रास्ता चुना है। उन्होंने कहा कि साइकिल न केवल पर्यावरण के लिए अनुकूल साधन है, बल्कि आमजन से संवाद का सरल और प्रभावी माध्यम भी है।

यह यात्रा अटूट संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक

उन्होंने बताया कि 13 हजार किलोमीटर का यह सफर आसान नहीं रहा। राजस्थान की भीषण गर्मी, गुजरात और महाराष्ट्र की तेज बारिश और समुद्री हवाएं तथा पहाड़ी क्षेत्रों की कठिन चढ़ाइयों ने इस यात्रा को बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिया। रास्ते में कई बार साइकिल पंचर हुई, टायर फटे और तकनीकी दिक्कतें आईं, लेकिन हर बार इन बाधाओं को पार करते हुए यात्रा आगे बढ़ती रही। अब यह अटूट संकल्प और मजबूत इच्छाशक्ति का प्रतीक बन चुका है।

यात्रा की असली ताकत है संवाद

उन्होंने बताया कि इस अभियान की सबसे बड़ी ताकत सीधा संवाद है। यात्रा के दौरान विभिन्न शहरों,कस्बों और गांवों में युवाओं,छात्रों और सामाजिक संगठनों से मुलाकात की। नशा मुक्ति, फिटनेस और अनुशासित जीवनशैली को लेकर लोगों को जागरूक किया। स्कूलों और कॉलेजों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को खेल और स्वास्थ्य के प्रति प्रेरित किया। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक मुद्दों पर चर्चा की गई।

भारत की ताकत विविधता और सांस्कृतिक एकता में निहित

ऑपरेशन सिंदूर केवल सामाजिक अभियान नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जुड़ाव का भी माध्यम है। यात्रा के दौरान दीपक शर्मा ने देश के चार प्रमुख ज्योतिर्लिंग और चार शक्तिपीठों के दर्शन किए हैं। इसके साथ ही चारधाम यात्रा की दिशा में भी उनका अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है। इन धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर उन्होंने देश की सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को करीब से महसूस किया और इस संदेश को भी अपने अभियान का हिस्सा बनाया कि भारत की ताकत उसकी विविधता और सांस्कृतिक एकता में निहित है।

'विकसित भारत' के नौ संकल्प से समाज को जोड़ना

यात्रा का एक महत्वपूर्ण पहलू 'विकसित भारत' के 9 संकल्प हैं, जिनमें नशा मुक्त समाज, फिटनेस, सामाजिक एकता, पर्यावरण संरक्षण, शिक्षा, स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी जैसे विषय शामिल हैं। इन संकल्पों के जरिए यह संदेश दिया जा रहा है कि देश का विकास केवल नीतियों से नहीं, बल्कि जनभागीदारी से संभव है।

सकारात्मक बदलाव से विकसित भारत का सपना होगा साकार

उन्होंने बताया कि लखनऊ में इस यात्रा का आगमन एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। दीपक शर्मा ने युवाओं और सामाजिक संगठनों से संवाद करते हुए इस अभियान में जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि हर व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए तो विकसित भारत का सपना साकार हो सकता है।

लक्ष्य सिर्फ दूरी तय करना नहीं, एक सोच को जन्म देना है

लखनऊ के बाद यह यात्रा देश के अन्य हिस्सों की ओर आगे बढ़ेगी। लक्ष्य सिर्फ दूरी तय करना नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच को जन्म देना है, जिसमें देश का हर नागरिक स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार बने। 'ऑपरेशन सिंदूर' की यह यात्रा इसी विश्वास के साथ आगे बढ़ रही है कि छोटे-छोटे प्रयास ही बड़े बदलाव की नींव रखते हैं।

यूपी सीएम हेलीकॉप्टर से उतरे छोटी काशी मल्लावाँ कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। सूबे के मुखिया योगी आदित्यनाथ महाराज 23 अप्रैल 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित 29 अप्रैल के कार्यक्रम में लखनऊ से चलकर गंगा एक्सप्रेसवे राघोपुर कन्नौज मार्ग पर निरीक्षण किया निरीक्षण दौरान उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर 29 तारीख के कार्यक्रम की समीक्षा की गंगा एक्सप्रेसवे पहुंचकर छोटी काशी मल्लावा में उनके साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी असीम अरुण समाज कल्याण मंत्री प्रभारी हरदोई साथ में स्थानीय विधायक आशीष सिंह 'आशु' 159 विधानसभा बिलग्राम मल्लावां जिलाधिकारी हरदोई अनुनय झा एसपी अशोक कुमार मीणा मौजूद रहे उप जिला अधिकारी बिलग्राम क्षेत्र अधिकारी बिलग्राम प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत पांडेय मल्लावां सहित जनपद के उच्च अधिकारी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे। बाबा सुनासीर नाथ मंदिर पर योगी आदित्यनाथ महाराज जी का न जाना जनता में मायूसी का माहौल दिखा वही मंदिर समिति के अध्यक्ष अभय शंकर शुक्ला ने मंदिर पर महाराज जी का न पहुंचने का कारण बताया उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे क्षेत्र के जो जनप्रतिनिधि हैं उन्होंने महाराज जी को पूर्ण रूप से मंदिर के बारे में जानकारी नहीं दी नहीं तो महाराज जी मंदिर अवश्य आते लोगों में मायूसी देखने को मिली मंदिर समिति के उपाध्यक्ष नवल महेश्वरी ने भी आरोप लगाया कि हमारे क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने बाबा सुनासीर नाथ मंदिर की विशेषताएं बताने में चूक की है नहीं तो महाराज जी मंदिर परिसर बाबा सुनासीर नाथ के दर्शन अवश्य करने आते हैं।

बच्चों को अनुकरण वाचन के माध्यम से पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। बावन ब्लॉक में पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय मुजाहिदपुर में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर कक्षा तीन के सभी बच्चों को सहपाठी द्वारा अनुकरण वाचन के माध्यम से अनुकरण वाचन कराया गया और बच्चों को प्रतिदिन पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।

पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय मुजाहिद पुर में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर कक्षा 3 के बच्चों को प्रतिदिन पुस्तक पढ़ने के लिए प्रेरित किया गया बेसिक शिक्षा विभाग अप के द्वारा अपने ग् पर पोस्ट करते हुए विद्यालय की प्रशंसा की गई है। हरदोई जनपद में शिक्षा विभाग को बेहतर बनाने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के अध्यापकों के द्वारा निरंतर अथक प्रयास किया जा रहे हैं, यूपी के हरदोई में शिक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए समय-समय पर शिक्षा विभाग के द्वारा विभिन्न कार्यक्रम किया जा रहे हैं उन कार्यक्रमों के माध्यम से नौनिहाल बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है साथ ही बच्चों के परिजनों को जागरूक किया जा रहा है कि अपने-अपने बच्चों को स्कूल अवश्य भेजें। पीएम श्री प्राथमिक विद्यालय मुजाहिदपुर में पढ़ाई करने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए स्कूल अध्यापकों प्रधानाध्यापक हेमंत कुमार पांडे सहायक अध्यापक श्रद्धा अग्रवाल तथा सहायक अध्यापक अखिलेश कुमार जी की कड़ी मेहनत रंग लती हुई दिखाई दे रही है अध्यापकों की मेहनत का ही नतीजा है कि जिसके चलते बेसिक शिक्षा विभाग के द्वारा मुजाहिदपुर विद्यालय का वीडियो अपने ग् अकाउंट पर पोस्ट किया हुआ है।

श्री डालसिंह मेमोरियल स्कूल द्वारा संचालित विद्या सिंह पब्लिक हाई स्कूल का शानदार प्रदर्शन, 10वीं में सभी छात्र-छात्राएं हुए पास

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल द्वारा संचालित विद्या सिंह पब्लिक हाईस्कूल में आज 10वीं का रिजल्ट जारी हुआ, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने प्रथम श्रेणी में सफलता हासिल की। विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताया कि इस वर्ष का परिणाम 100 प्रतिशत रहा, जो कि विद्यालय के लिए गर्व की बात है।

विद्यालय के छात्र शोभित ने 539 अंक प्राप्त करके विद्यालय में टॉप किया है। अमन गुप्ता ने 528 अंक प्राप्त करके द्वितीय स्थान और सृष्टि ने 507 अंक प्राप्त करके तृतीय स्थान, राखी ने 503 अंक प्राप्त किए। इस अवसर पर, बच्चों ने विद्यालय के रुसंस्थापक स्वर्गीय अखिलेश सिंह के चित्र पर फूल अर्पित किए और उनका स्मरण किया। बच्चों ने बताया कि बड़े सर बहुत ही सरल और सहृदय थे। उन्होंने हमें शिक्षा के साथ-साथ जीवन के सही मूल्यों की भी शिक्षा दी। उनकी याद में हम हमेशा आगे बढ़ते रहेंगे। बच्चों ने बताया कि बड़े सर हमेशा सिखाते थे कि अपने माता-पिता की सेवा करो, उनके आशीर्वाद से ही सफलता प्राप्त होगी। विद्यालय के प्रबंधक मुकेश सिंह ने बच्चों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए बधाई दी और शुभकामनाएं प्रदान की। उन्होंने कहा कि वे हमेशा विद्यालय के छात्रों के साथ खड़े रहेंगे और उनके सपनों को पूरा करने में मदद करेंगे। उन्होंने बताया कि इस शानदार परिणाम के लिए शिक्षकों और छात्रों की मेहनत का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य छात्रों को अच्छी शिक्षा प्रदान करना है और इस दिशा में हम लगातार प्रयासरत हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्या भूमिका सिंह ने कहा कि इस शानदार सफलता के लिए मैं उन्हें और उनके माता-पिता को बधाई देती हूं। ये परिणाम उनकी मेहनत और समर्पण का फल है। उन्होंने कहा कि ये छात्र आगे भी इसी तरह से मेहनत करें और अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रयासरत रहें। विद्यालय हमेशा उनका समर्थन करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विद्यालय प्रशासन का आभार व्यक्त किया और कहा कि हम अपने शिक्षकों और विद्यालय प्रशासन के प्रति आभारी हैं जिन्होंने हमें इस मुकाबले के लिए तैयार किया। उनकी मेहनत और समर्पण के बिना ये संभव नहीं था उन्होंने कहा कि यह हमारा दूसरा घर है।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा घोषित हाई स्कूल/इंटरमीडिएट परीक्षा 2026 का परिणाम आज घोषित हुआ। गंगा देवी इंटर कॉलेज हरदोई के हाई स्कूल के छात्र आदर्श कुमार ने

567/600 अंक प्राप्त कर जनपद में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। इंटरमीडिएट की छात्रा मुस्कान बानो ने 425/500 अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान अर्जित किया। विद्यालय में हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम शत् प्रतिशत एवं इण्टरमीडिएट का परीक्षा परिणाम 91 प्रतिशत रहा। विद्यालय के लिए बहुत ही हर्ष की बात है। विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रधानाचार्य डॉ० अभिराम सिंह, प्रवक्ता, ओम प्रकाश, सुखदेव सिंह, अखिलेश पाण्डेय, आलोक कुमार सिंह, महेश प्रसाद, हरी शंकर, विपिन शर्मा आदि सभी शिक्षकों नेए हर्ष व्यक्त किया एवं उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बधाई प्रेषित किया।

छात्र-छात्राओं का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण लखनऊ

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पिहानी (हरदोई)। गुरूवार को राजकीय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं का एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण लखनऊ के लिए अत्यंत सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। इस शैक्षिक भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कक्षा के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक एवं अनुभवात्मक ज्ञान से अवगत कराना उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करना तथा उच्च शिक्षा के प्रति जागरूक करना था।

भ्रमण के अंतर्गत छात्र.छात्राओं ने लखनऊ स्थित रेजीडेंसी यूनिवर्सिटी एवं साइंस सिटी का भ्रमण किया। रेजीडेंसी में अंग्रेज़ी हुकूमत के दौरान संग्रहालय में छात्रों का ज्ञानवर्धन हुआ इसके पश्चात लखनऊ विश्वविद्यालय के परिसर में विद्यार्थियों ने आधुनिक शिक्षण व्यवस्था, विभिन्न संकायों की शैक्षणिक गतिविधियों पुस्तकालय प्रयोगशालाओं एवं विश्वविद्यालय के समग्र शैक्षिक वातावरण का अवलोकन किया। वहाँ उन्हें उच्च शिक्षा के विविध आयामों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई जिससे उनके भविष्य की शैक्षिक योजनाओं को नई दिशा मिली। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने साइंस सिटी का भ्रमण किया जहाँ उन्होंने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी से संबंधित विभिन्न आकर्षक मॉडल इंटरैक्टिव प्रदर्शनी एवं प्रयोगों को देखा। इन प्रदर्शनों के माध्यम से विद्यार्थियों ने विज्ञान के सिद्धांतों को सरल एवं रोचक तरीके से समझा। विशेष रूप से भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान से संबंधित प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों को अत्यधिक प्रभावित किया और उनमें वैज्ञानिक जिज्ञासा को और अधिक प्रबल किया। इस शैक्षिक भ्रमण का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० गगन कुमार के कुशल निर्देशन में संपन्न हुआ। भ्रमण का नेतृत्व डॉ० दयाल शरन द्वारा अत्यंत व्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक किया गया। उनके मार्गदर्शन में समस्त कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हुआ। इस अवसर पर डॉ० लक्ष्मी नारायण एवं कीर्ति आनंद मैम भी उपस्थित रहीं, जिन्होंने पूरे भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें आवश्यक जानकारियाँ प्रदान कीं। भ्रमण के दौरान छात्र-छात्राओं ने अनुशासन, उत्साह एवं जिज्ञासा का परिचय दिया। उन्होंने न केवल नए स्थानों का भ्रमण किया बल्कि वहाँ से महत्वपूर्ण ज्ञान एवं अनुभव भी अर्जित किया। इस प्रकार के शैक्षिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास आत्मविश्वास में वृद्धि तथा उनके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंत में सभी छात्र-छात्राओं ने इस शैक्षिक भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अविस्मरणीय अनुभव बताया तथा महाविद्यालय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पहलगाम हमले की प्रथम बरसी पर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। शहर कांग्रेस कमेटी, हरदोई की ओर से जम्मू-कश्मीर के पहलगाम हमले की प्रथम बरसी पर शहीद हुए निर्दोष नागरिकों

को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कंपनी गार्डन, हरदोई में कैंडिल जलाकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस अध्यक्ष विक्रम पांडे एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम दीक्षित ने शहीदों को नमन करते हुए कहा कि निर्दोष नागरिकों पर इस प्रकार के कायराना हमले देश की एकता और अखंडता पर सीधा हमला हैं, जिन्हें किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा और पूरा देश उनके परिवारों के साथ खड़ा है। इस दौरान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मोहन सिंह, एनएसयूआई अध्यक्ष हसन अहमद, जिला उपाध्यक्ष अजीत विशाल नंदवंशी, राजेंद्र वर्मा, शहर उपाध्यक्ष उमा राजवंशी, सर्वेश कुशवाहा, विनोद यादव, मंडल अध्यक्ष शिल्पी वर्मा, लक्ष्मी वर्मा, शहर कंट्रोल रूम इंचार्ज ममता पाल, पीसीसी सदस्य आशीष पाल, ब्लॉक अध्यक्ष हरियावाँ शरीफ अहमद, जिला सचिव कार्यालय प्रभारी महताब अहमद, जिला सचिव अनुज सिंह सहित तमाम कांग्रेसजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीदों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कार्यक्रम में सहभागिता से मिलता है समझने का अवसर जिला जज

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। स्थानांतरण के बाद जनपद में आए न्यायाधीशों

का बार एसोसिएशन सभागार में समस्त अधिवक्ताओं की ओर से स्वागत किया गया। इस अवसर पर जिला जज रीता कौशिक, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ऋचा वर्मा के अतिरिक्त नवागत न्यायाधीश विशेष न्यायाधीश एससीएसटी एक्ट ज्ञानेन्द्र त्रिपाठी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश गैंगस्टर कोर्ट, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट दिनेश गौर, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एनडीपीएस शैलेंद्र यादव तथा अनिमा मिश्रा अपर सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट संख्या-1 एवं प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड उपस्थित रहीं। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला जज रीता कौशिक ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों के आयोजन से न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं को एक दूसरे को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिले में पदस्थ सभी न्यायाधीश न्यायिक कार्यों के सम्पादन में अधिवक्ताओं को सहयोग करेगें। इससे पहले बार एसोसिएशन की ओर से महामंत्री पंकज कुमार सिंह, वरिष्ठ अधिवक्ता त्रिलोकी सिंह गौर, सुरेश वर्मा एवं दिग्विजय सिंह ने स्वागत उद्बोधन दिया जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता इंद्रेश्वर नाथ गुप्ताए, अजय द्विवेदी एवं महिला अधिवक्ता व संघ पदाधिकारी अनुराधा अग्रवाल जिला जज एवं नवागत न्यायाधीशों का पुष्प गुच्छ व माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम संचालन अधिवक्ता सचिन कुमार सिंह ने किया जबकि बार एसोसिएशन अध्यक्ष जे०पी० त्रिवेदी ने सभी न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षक की भूमिका अहमः काजल

राष्ट्रीय प्रस्तावना

निपुण सम्मान समारोह में शिक्षक हुए सम्मानित

हरदोई। विकास खण्ड सांडी के ब्लाक सभागार में निपुण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें प्रधानाध्यपको व नोडल शिक्षकों को विद्यालय को निपुण बनाने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी काजल व कार्यक्रम संयोजक खण्ड शिक्षा अधिकारी डॉ० सुनील कुमार सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन एवं मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण कर किया।

मुख्य अतिथि काजल ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम योगदान निभाते हैं। उन्होंने सभी शिक्षकों से निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम संयोजक डॉ० सुनील कुमार सिंह ने कहा कि निपुण भारत मिशन के अंतर्गत बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान विकसित करना प्राथमिकता है और इस दिशा में शिक्षक निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके प्रयासों की सराहना की। समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संचालन शिक्षक अजीत शुक्ल ने किया। वहीं समारोह के बाद बीईओ डॉ० सुनील कुमार द्वारा प्रधानाध्यपको के साथ बैठक कर विद्यालयों में नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया। बीईओ ने बैठक में प्रेरणा पोर्टल पर नामांकनए डीबीटी कार्यए यू डायस कार्य व कायाकल्प पर चर्चा करते हुए समयबद्ध तरीके से सभी कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करने की बात कही। बैठक में एआरपी प्रभाकर मिश्र, आदर्श अवस्थी, शेरपाल, मो० इरफान, शिक्षक पुष्पेंद्र सिंह चौहान, राजपाल, मो० अफजाल, संजय शुक्ला, तेज बहादुर, नीरज पटेल, अरविंद पाण्डेय, शत्रुघ्न सिंह, मनोज कुमार, रसूल अहमद, प्रतिभा यादव, दीपक कुमार, विनय श्रीवास्तव, अविनाश कुमार, अनुराग तिवारी, अमन श्रीवास्तव, प्रान्जुल, नीलम, शाहीन अख्तर, राखी श्रीवास्तव आदि रहे।

समाजवादी पार्टी अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने का काम जारी रखेगी

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 159 बिलग्राम विधानसभा के मल्लावां ब्लाक के ग्राम गढ़ी रसूलपुर में बीते 13 अप्रैल को शिल्पी कुशवाहा की हत्या इसी गांव के रहने वाले एक युवक ऋषभ द्विवेदी ने की थी मृतक के परिवार को सांत्वना देने के लिए समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 23 अप्रैल 2026 को सपा जिला अध्यक्ष शराफत अली के नेतृत्व में गांव गढी रसूलपुर जाना था लेकिन 22 अप्रैल की रात में ही सपा के प्रतिनिधिमंडल के अधिकांश लोगों को घरो मे नजर बंद कर लिया गया और मल्लावां विधानसभा के कई प्रमुख नेताओं को भी हाउस अरेस्ट कर लिया गया आज जब लखनऊ से पूर्व एमएलसी डॉक्टर राजपाल कश्यप प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश और प्रदेश अध्यक्ष समाजवादी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ उत्तर प्रदेश शकील नदवी लखनऊ से मल्लावा जा रहे थे तो संडीला में ही वहां की स्थानीय पुलिस द्वारा पूर्व एमएलसी डॉक्टर राजपाल कश्यप और समाजवादी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी जी को गिरफ्तार कर लिया गया समाजवादी पार्टी हरदोई अपने इन दोनों नेताओं की गिरफ्तारी की घोर निंदा करती है समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी डॉक्टर राजपाल कश्यप और शकील नदवी जी ने कहा कि भाजपा जितना भी दमन करना चाह कर ले लेकिन अब जनता उनसे नाराज चुकी है और समाजवादी पार्टी अब जनता के हकों की लड़ाई लड़ने के लिए सड़क पर उतर चुकी है कितना भी जुल्म यह क्यों न करें हम अहिंसा के रास्ते पर चलकर इस सरकार की तानाशाही को खत्म करके प्रदेश में 2027 में समाजवादी पार्टी और पीडीए की सरकार को बनाने का काम करेंगे।

जिलाध्यक्ष शराफत अली पूर्व सांसद उषा वर्मा बृजेश वर्मा टिल्लू, अनुराग यादव, डॉ० अरुण मौर्य, प्रदीप कुशवाहा, अनुराग यादव विक्रम कुशवाहा समेत पार्टी के अन्य नेता दिलशाद मटियामऊ की गिरफ्तारी की घोर निंदा की जाती है और समाजवादी पार्टी अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ने का काम जारी रखेगी और जुल्म को खत्म करेगी प्रशासन और भाजपा सरकार की कार्यवाही पर निंदा करने वालों में जिला उपाध्यक्ष अजय सिंह पाल अमित बाजपेई फूलचंद वर्मा राहुल गुप्ता सुशील हंस अलंकार सिंह चंद्रशेखर पाल समेत पार्टी के तमाम नेताओं ने अपना गहरा रोष व्यक्त किया है जिला अध्यक्ष शराफत अली और पर सांसद उषा वर्मा ने कहा कि भाजपा का चेहरा बेनकाब हो गया है लोगों को भयभीत करके सत्ता में रहना चाहते हैं लेकिन अब जनता उनके नापाक मानसून को जान चुकी है और शीघ्र ही इसे छुट्टी चाहती है।

बी.ए. छठे सेमेस्टर के छात्रों को दी गई भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। सीएसएन महाविद्यालय हरदोई में गुरुवार को स्नातक (बी०ए०) छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं का भव्य विदाई समारोह कालेज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसमें उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

विदाई समारोह में छठे सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं अनमोल शुक्ला, हर्ष मिश्रा, पलक सोनी, मधु पाल, आरिबा अंसारी, शाइस्ता बानो, श्रेयस शुक्ला, अवनि पाण्डेय, रोहिणी शर्मा, इसिता मिश्रा, प्रतिभा मिश्रा, साक्षी शुक्ला, राशि सिंह, अक्षरा पाण्डेय, आशीष कुशवाहा, नवनीत शुक्ला, उदय प्रताप राठौर, सूर्यांश सिंह एवं सूर्यांश मिश्रा ने शानदार गीत, गजल, एकल एवं सामूहिक नृत्य तथा अभिनय प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया कार्यक्रम का सफल संचालन नलिन त्रिपाठी एवं आस्था सिंह ने संयुक्त रूप से किया। आयोजन को सफल बनाने में उदय राठौर, सूर्यांश मिश्र, वैभव सिंह, सूर्यांश सिंह एवं समीर सहित अन्य विद्यार्थियों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो० के.के. सिंह द्वारा सरस्वती प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने छात्र-छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरित करते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह में प्रो० दीपक राय, डॉ० मिथिलेश सिंह, अजय शुक्ला, प्रिया शर्मा, शैवाल कनौजिया, सरिता वर्मा, रश्मि दुबे, कुश कुमार, डॉ० शिवेंद्र सिंह सहित अन्य प्राध्यापकगण एवं सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने छठे सेमेस्टर के विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भावभीनी विदाई दी।

मल्लावां पब्लिक स्कूल इंटर कॉलेज ने विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिला टॉप 10 सूची में बनाया स्थान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

मल्लावाँ (हरदोई)। मल्लावां पब्लिक स्कूल के इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राओं ने टॉप 10 सूची में अपना स्थान बनाया है टॉप टेन सूची में पाँचवे पर प्रखर पटेल तथा नवे स्थान पर रहे विद्यालय के सुलभ पटेल जब इन बच्चों से उनकी पढ़ाई के बारे में पूछा गया तो उन्होंने बताया माता-पिता के आशीर्वाद और अथक परिश्रम से तथा गुरुजनों के आशीर्वाद से उन्होंने यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने आगे बताया कि वह आगे भी अपनी मेहनत जारी रखेंगे और जेई मैंस में स्थान प्राप्त करेंगे विद्यालय के प्रबंधक हरपाल सिंह में बताया बच्चों ने अथक परिश्रम किया जिसका परिणाम है बच्चों ने सफलता प्राप्त की विद्यालय के प्रधानाचार्य नीलेश कुशवाहा ने बच्चों की लगन के बारे में उनके मेहनत के बारे में बताया विद्यालय में पढ़ने के बाद बच्चे लगातार 5 घंटे घर पर पढ़ते थे। हाईस्कूल में भी विद्यालय का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा हाय स्कूल में लगभग 35 बच्चों ने 93 प्रतिशत नंबर प्राप्त किये हैं।

बीमा से क्यों दूर है आम भारतीय

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है। ऊंची विकास दर, डिजिटल क्रांति, बढ़ती आय और वैश्विक मंच पर मजबूत होती स्थिति- ये सब संकेत देते हैं कि देश आर्थिक रूप से आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे एक सच्चाई ऐसी भी है, जो अक्सर नजरों से ओझल रह जाती है- भारत का आम नागरिक अब भी आर्थिक सुरक्षा के सबसे बुनियादी साधन यानी बीमा से दूर है। विडंबना यह है कि जिस देश में अनिश्चितताओं की भरमार है- बीमारी, दुर्घटना, प्राकृतिक आपदाएं, रोजगार की अस्थिरता- वहीं बीमा को अब भी अतिरिक्त खर्च समझा जाता है, न कि जरूरी सुरक्षा कवच। भारत में बीमा कवरेज की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बीमा घनत्व और पैठ दोनों वैश्विक औसत से नीचे हैं। ग्रामीण भारत, जो देश की बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करता है, वहां बीमा की पहुंच बेहद सीमित है। जीवन बीमा के कुछ प्रसार के बावजूद स्वास्थ्य, फसल और संपत्ति बीमा की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। सवाल यह उठता है कि आखिर ऐसा क्यों है कि विकास की रफ्तार के साथ बीमा का दायरा नहीं बढ़ पा रहा? इसका पहला और सबसे बड़ा कारण है- जागरूकता की कमी। देश के बड़े हिस्से को आज भी यह समझ नहीं है कि बीमा आखिर है क्या और यह उनके जीवन में किस तरह सुरक्षा प्रदान कर सकता है। गांवों में तो बीमा को अक्सर ठगी या धोखे के रूप में देखा जाता है। एजेंटों द्वारा गलत जानकारी देना, पॉलिसी की शर्तों को स्पष्ट न करना और क्लेम के समय होने वाली परेशानियां लोगों के मन में अविश्वास पैदा करती हैं। परिणामस्वरूप, लोग बीमा से दूरी बनाए रखना बेहतर समझते हैं। दूसरा बड़ा कारण है, आर्थिक प्राथमिकताएं। जब किसी परिवार की आय सीमित हो और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना ही चुनौती हो, तब बीमा जैसी चीज उनके लिए प्राथमिकता में नहीं आती। आम भारतीय के लिए पहले भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवास की जरूरतें हैं; बीमा उसके बाद आता है। यह सोच गलत नहीं है लेकिन यह भी सच है कि एक छोटी-सी दुर्घटना या बीमारी पूरे परिवार की आर्थिक स्थिति को हिला सकती है और यही वह जगह है जहां बीमा की जरूरत सबसे ज्यादा होती है। तीसरा कारण है, बीमा उत्पादों की जटिलता। बीमा कंपनियों द्वारा पेश किए जाने वाले उत्पाद आम लोगों की समझ से परे होते हैं। लंबी-चौड़ी शर्तें, तकनीकी भाषा और अस्पष्ट लाभ- ये सब मिलकर बीमा को एक कठिन और उलझा हुआ उत्पाद बना देते हैं। एक साधारण व्यक्ति के लिए यह समझना मुश्किल होता है कि कौन-सी पॉलिसी उसके लिए सही है। इस जटिलता का फायदा कई बार एजेंट उठाते हैं और ग्राहक को ऐसी पॉलिसी बेच दी जाती है, जो उसकी जरूरतों के अनुकूल नहीं होती। इसके साथ ही, दावा निपटान की प्रक्रिया भी बीमा से आमजनों की दूरी का एक बड़ा कारण है। अक्सर सुनने को मिलता है कि क्लेम के समय कंपनियां तकनीकी कारणों का हवाला देकर दावे खारिज कर देती हैं या प्रक्रिया को इतना लंबा कर देती हैं कि ग्राहक थक हार कर पीछे हट जाता है। इस तरह के अनुभव समाज में तेजी से फैलते हैं और लोगों के मन में धारणा बन जाती है कि बीमा केवल पैसे वसूलने का माध्यम है, न कि संकट के समय सहायता का। वितरण प्रणाली की कमजोरी भी अहम कारण है। बीमा अब भी बड़े पैमाने पर एजेंट आधारित मॉडल पर निर्भर है, जिसकी पहुंच सीमित है। ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में एजेंटों की कमी है और जहां हैं भी, वहां उनकी प्राथमिकता कमीशन कमाना होता है, न कि ग्राहक को सही सलाह देना। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के आने से स्थिति में कुछ सुधार जरूर हुआ है लेकिन डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण इसका लाभ हर वर्ग तक नहीं पहुंच पा रहा। इन सबके बीच सामाजिक और सांस्कृतिक कारक भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। भारतीय समाज में अक्सर भविष्य की अनिश्चितताओं को ल्लभगवान की मर्जीङ्क मान लिया जाता है। जोखिम प्रबंधन की सोच अभी भी व्यापक नहीं हो पाई है। लोग यह मानते हैं कि बुरा वक्त आएगा तो किसी न किसी तरह संभाल लिया जाएगा- पर यह सोच कई बार भारी पड़ जाती है। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने बीमा को बढ़ावा देने के लिए कई पहलें की हैं। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं ने गरीब और निम्न आय वर्ग को बीमा के दायरे में लाने की कोशिश की है। इन योजनाओं ने यह साबित किया है कि यदि बीमा सस्ता, सरल और सुलभ हो तो लोग इसे अपनाने के लिए तैयार हैं। लेकिन इन योजनाओं का दायरा अभी भी सीमित है और व्यापक स्तर पर बदलाव लाने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है। हाल ही में पारित 'बीमा कानून संशोधन विधेयक, 2025' इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। विशेष रूप से प्रबंध महाधिवक्ता (एमजीए) की अवधारणा बीमा क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। एमजीए स्थानीय स्तर पर काम करते हुए बीमा उत्पादों को अधिक प्रासंगिक और सुलभ बना सकते हैं। इससे वितरण प्रणाली मजबूत होगी, उत्पादों में नवाचार आएगा और दावा निपटान की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बन सकती है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया गया तो यह बीमा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। केवल नीतिगत सुधार पर्याप्त नहीं हैं। असली चुनौती इन सुधारों को जमीन पर उतारने की है। इसके लिए सबसे पहले बीमा को उत्पाद नहीं, बल्कि अधिकार के रूप में स्थापित करना होगा। जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य को मौलिक जरूरत माना जाता है, वैसे ही बीमा को भी सामाजिक सुरक्षा के एक अनिवार्य हिस्से के रूप में स्वीकार करना होगा। जागरूकता अभियान इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। स्कूलों और कॉलेजों में वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देना, मीडिया के माध्यम से सरल भाषा में बीमा की जानकारी देना और स्थानीय स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम चलाना जरूरी है। इसके साथ ही, बीमा उत्पादों को सरल और पारदर्शी बनाना होगा, ताकि आम व्यक्ति बिना किसी भ्रम के सही निर्णय ले सके।

मायावती का सोशल इंजीनियरिंग और एसआईआर के चक्रव्यूह से सत्ता वापसी की तैयारी

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश की सियासी बिसात पर 2027 के विधानसभा चुनाव की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। जहां समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव 'पीडीए' के नारे के साथ मिशन-2027 का बिगुल फूंक चुके हैं और सत्तारूढ़ भाजपा सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पूरी ताकत झोंक रही है, वहीं बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने भी अपनी खामोश लेकिन बेहद मारक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। उत्तर प्रदेश की राजनीति जो पिछले कुछ समय से दो ध्रुवीय होती दिख रही थी, उसे मायावती एक बार फिर त्रिकोणीय बनाने की कवायद में जुट गई हैं। इस बार उनकी रणनीति सिर्फ नारों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह जमीनी स्तर पर डेटा और 'सोशल इंजीनियरिंग' के घातक मिश्रण के साथ मैदान में उतर रही हैं। मायावती के लिए यह चुनाव केवल सत्ता का संघर्ष नहीं है, बल्कि पार्टी के अस्तित्व को बचाए रखने और दलित राजनीति की धुरी को फिर से अपने पाले में लाने की बड़ी चुनौती है।

मायावती ने इस बार अपने पत्ते बेहद सावधानी से खोले हैं। उन्होंने 2027 के लिए उम्मीदवारों के चयन की प्रक्रिया में एक नया और तकनीकी मोड़ दिया है, जिसे 'एसआईआर' (मतदाता सूची पुनरीक्षण) अभियान से जोड़ा गया है। आम तौर पर पार्टियां चुनाव से ऐन पहले टिकट बांटती हैं, लेकिन बसपा ने पहले ही करीब 40-50 सीटों पर संभावित उम्मीदवारों को हरी झंडी दे दी थी। हालांकि, अब इस रणनीति में अचानक बदलाव किया गया है। मायावती ने अब उन नेताओं को तवज्जो देने का फैसला किया है जिन्होंने एसआईआर अभियान के दौरान बूथ स्तर पर सक्रियता दिखाई। पार्टी का मानना है कि चुनाव सिर्फ रैलियों से नहीं, बल्कि वोटर लिस्ट में अपने समर्थकों के नाम सुरक्षित रखने से जीते जाते हैं। मायावती ने करीब 15 हजार बूथ कमेटियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस रिपोर्ट का मकसद यह समझना है कि कहां उनके वोट बैंक में सेंध लगी है और कहां साजिश के तहत समर्थकों के नाम काटे गए। जो पदाधिकारी इन कटे हुए नामों को दोबारा जुड़वाने और बूथ को मजबूत करने के मोर्चे पर सफल रहे हैं, उन्हीं की दावेदारी अब टिकट के लिए पुख्ता मानी जाएगी।

बसपा की इस नई रणनीति के केंद्र में वह 'सोशल इंजीनियरिंग' है, जिसने 2007 में पार्टी को पूर्ण बहुमत की सरकार तक पहुंचाया था। मायावती एक बार फिर 'दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम' गठजोड़ को जीवित करने की कोशिश कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के बदलते सियासी समीकरणों के बीच मायावती यह समझ चुकी हैं कि केवल एक वर्ग के भरोसे सत्ता की कुर्सी तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसीलिए उन्होंने हर विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैनल तैयार करवाया है। इन दावेदारों को उनकी जातीय पकड़ और स्थानीय समीकरणों के आधार पर परखा जा रहा है। मायावती ने मंडल और जोनल कोऑर्डिनेटरों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे जातियों के गणित की सटीक रिपोर्ट दें। अगर किसी सीट पर दलित वोटों के साथ मुस्लिम या ब्राह्मण मतदाता निर्णायक

बसपा की इस नई रणनीति के केंद्र में वह 'सोशल इंजीनियरिंग' है, जिसने 2007 में पार्टी को पूर्ण बहुमत की सरकार तक पहुंचाया था। मायावती एक बार फिर 'दलित-ब्राह्मण-मुस्लिम' गठजोड़ को जीवित करने की कोशिश कर रही हैं। उत्तर प्रदेश के बदलते सियासी समीकरणों के बीच मायावती यह समझ चुकी हैं कि केवल एक वर्ग के भरोसे सत्ता की कुर्सी तक नहीं पहुंचा जा सकता। इसीलिए उन्होंने हर विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैनल तैयार करवाया है। इन दावेदारों को उनकी जातीय पकड़ और स्थानीय समीकरणों के आधार पर परखा जा रहा है। मायावती ने मंडल और जोनल कोऑर्डिनेटरों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे जातियों के गणित की सटीक रिपोर्ट दें। अगर किसी सीट पर दलित वोटों के साथ मुस्लिम या ब्राह्मण मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं, तो वहां उसी समाज के मजबूत चेहरे को तलाशा जा रहा है। यह प्रक्रिया काफी गहरी है, जिसमें पहले क्षेत्र प्रभारी बनाया जाता है और फिर उसकी सक्रियता के आधार पर उसे प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

भूमिका में हैं, तो वहां उसी समाज के मजबूत चेहरे को तलाशा जा रहा है। यह प्रक्रिया काफी गहरी है, जिसमें पहले क्षेत्र प्रभारी बनाया जाता है और फिर उसकी सक्रियता के आधार पर उसे प्रत्याशी घोषित किया जाता है।

मायावती का दिल्ली से लखनऊ और फिर लखनऊ से दिल्ली का दौरा भी इसी रणनीति का हिस्सा है। खासकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जहां बसपा का आधार हमेशा से मजबूत रहा है, वहां के समीकरणों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी मायावती ने खुद संभाली है। बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल का कहना है कि पार्टी इस बार किसी बड़े दल से गठबंधन के बजाय अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी का मानना है कि गठबंधन से उनके वोट दूसरे दलों को ट्रांसफर हो जाते हैं, लेकिन दूसरे दलों के वोट बसपा को नहीं मिलते। ऐसे में अपने पारंपरिक वोट बैंक को सहेजकर रखना और उसमें दूसरे वर्गों को जोड़ना ही सबसे सुरक्षित रास्ता है।

मायावती अब उन बूथों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं जहां पिछले चुनावों में बसपा का प्रदर्शन गिरा था। वह खुद जिलों से आने वाली एक-एक रिपोर्ट की समीक्षा कर रही हैं और इस बात पर जोर दे रही हैं कि जिन मतदाताओं के नाम सूची से कट गए हैं, उन्हें दोबारा हर हाल में जुड़वाया जाए।

इस पूरे अभियान का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वह संदेश है जो मायावती अपने कार्यकर्ताओं को दे रही हैं। वह लगातार बैठकों में इस बात का जिक्र कर रही हैं कि बसपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के सिद्धांत पर काम करती है। समाजवादी पार्टी और भाजपा के बीच चल रही तकरार के बीच मायावती खुद को एक गंभीर और अनुशासित विकल्प के तौर पर पेश कर रही हैं। वह जानती हैं कि 2027 में सत्ता तक पहुंचने का रास्ता उन छोटी जातियों और समुदायों से होकर गुजरता है जो फिलहाल मुख्यधारा की राजनीति में उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। यही वजह है कि उनके टिकट वितरण में इस बार जातियों की केमिस्ट्री पर बहुत ज्यादा जोर दिया जा रहा है। एसआईआर अभियान से हुए नफे-नुकसान का आकलन कर उम्मीदवारों के चयन की यह पद्धति उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया प्रयोग है, जो यह दर्शाता है कि मायावती अब पुरानी शैली को आधुनिक चुनावी प्रबंधन के साथ जोड़ रही हैं।

हालांकि, राह इतनी आसान भी नहीं है। उत्तर प्रदेश में दलित वोटों के लिए भाजपा और सपा दोनों ने ही बड़ी सेंधमारी की है। चंद्रशेखर आजाद जैसे नए युवा चेहरों ने भी दलित राजनीति में अपनी जगह बनाई है। ऐसे में मायावती का पुराना 'सोशल इंजीनियरिंग' फॉर्मूला कितना कारगर होगा, यह बड़ा सवाल है। लेकिन मायावती का इतिहास रहा है कि वह जब भी खामोश होती हैं, तो किसी बड़े सियासी धमाके की तैयारी में होती हैं। उनके पास अपना एक समर्पित कैडर है जो आज भी उनके एक इशारे पर लामबंद हो जाता है। 2007 के करिश्मे को 2027 में दोहराने के लिए उन्होंने संगठन के ढांचे में बड़े बदलाव किए हैं और नए चेहरों को मौका दिया जा रहा है। ब्राह्मण और मुस्लिम उम्मीदवारों को बड़े पैमाने पर मैदान में उतारने की तैयारी यह संकेत देती है कि बसपा इस बार किसी भी हाल में चुनावी मुकाबले को दोतरफा नहीं होने देगी।

पंचायत चुनावों में देरीः क्या कमजोर पड़ रही लोकतंत्र की पहली सीढ़ी?

देश के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में समय पर चुनाव न होने से 73वें संविधान संशोधन की भावना पर सवाल

- उत्तर प्रदेश में पंचायतों में 33% महिला आरक्षण, जबकि कई राज्यों में यह 50% तक बढ़ाया गया
- देश के 8 राज्य और 4 केंद्रशासित प्रदेश समय पर पंचायत चुनाव नहीं करा पाए
- मणिपुर और महाराष्ट्र में 2022 से पंचायत चुनाव लंबित
- कर्नाटक में 2021 से ब्लॉक और जिला पंचायत चुनाव नहीं हुए
- देश में कुल 24.41 लाख पंचायत प्रतिनिधि, जिनमें 49.73% महिलाएं

मनोज कुमार शुक्ला

24 अप्रैल : राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर विशेष

लखनऊ। देश आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मना रहा है, लेकिन इस बार यह दिन एक गंभीर चिंता के साथ सामने आया है। सवाल यह है कि क्या भारत का स्थानीय लोकतंत्र धीरे-धीरे केवल औपचारिकता बनता जा रहा है? देश के कई राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में समय पर पंचायत चुनाव न होने से लोकतंत्र की बुनियादी संरचना कमजोर होती नजर आ रही है। पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक मजबूती देने वाले 73 कंस्यूटिटूशनल अमेन्डमेंट एक्ट का मूल उद्देश्य सत्ता का विकेंद्रीकरण और गांव स्तर पर जनभागीदारी सुनिश्चित करना था। संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत हर पांच साल में पंचायत चुनाव कराना अनिवार्य है, लेकिन जमीनी हकीकत इससे अलग दिखाई दे रही है।

कई राज्यों में वर्षों से लंबित चुनाव- केंद्र सरकार द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, मणिपुर और महाराष्ट्र में 2022 से, गुजरात में 2023 से, तेलंगाना में 2024 से और राजस्थान में 2025 से पंचायत चुनाव नहीं हुए हैं। कर्नाटक में 2021 से ब्लॉक और जिला पंचायत चुनाव लंबित हैं, जबकि ग्राम पंचायत चुनाव भी समय पर नहीं हो सके। हिमाचल प्रदेश में प्रस्तावित चुनाव टल गए, वहीं तमिलनाडु और जम्मू-कश्मीर में भी पंचायतों का कार्यकाल खत्म होने के बावजूद नए चुनाव नहीं कराए गए। लद्दाख और पुडुचेरी जैसे केंद्रशासित प्रदेशों में स्थिति और भी गंभीर है, जहां लंबे समय से पंचायत चुनाव नहीं हुए हैं।

लोकतंत्र की पहली सीढ़ी पर संकट- पंचायतें लोकतंत्र की पहली सीढ़ी मानी जाती हैं। यहीं से जनप्रतिनिधियों का राजनीतिक सफर शुरू होता है। यदि यही स्तर कमजोर पड़ता है, तो लोकतंत्र की पूरी संरचना प्रभावित होती है। बिना चुने हुए प्रतिनिधियों के विकास कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही भी कम हो जाती है, जिससे भ्रष्टाचार और मनमानी बढ़ने का खतरा रहता है।

महिलाओं और वंचित वर्गों पर असर- पंचायती राज संस्थाओं ने महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति और पिछड़े वर्गों को राजनीतिक मुख्यधारा में लाने में अहम भूमिका निभाई है। संविधान में कम से कम 33% आरक्षण का प्रावधान है, जबकि कई राज्यों में इसे बढ़ाकर 50% तक किया गया है। फरवरी 2026 के आंकड़ों के अनुसार, देश में लगभग 49.73% पंचायत प्रतिनिधि महिलाएं हैं, जो इस व्यवस्था की बड़ी उपलब्धि है। लेकिन चुनावों में देरी से यह प्रतिनिधित्व प्रभावित हो सकता है।

देरी के पीछे कारण और राजनीति- राज्य सरकारें पंचायत चुनाव टालने के पीछे परिसीमन, आरक्षण निर्धारण और न्यायालयों में लंबित मामलों का हवाला देती रही हैं। हालांकि, कई विशेषज्ञ इसे राजनीतिक कारणों से जोड़कर भी देखते हैं, जहां सत्ता समीकरणों के चलते चुनाव टाले जाते हैं।

मजबूत पंचायत, मजबूत लोकतंत्र- विशेषज्ञों का मानना है कि पंचायतों को केवल प्रशासनिक इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक सशक्तीकरण का माध्यम समझना होगा। गांव स्तर पर लोकतंत्र जितना मजबूत होगा, देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था उतनी ही स्थायी और प्रभावी बनेगी।

३६ भाषाओं के जानकार ने की थी, ८वीं तक की पढ़ाई!

आचार्य पं. पृथ्वीनाथ पाण्डेय

भारत में पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा 73वें संविधान संशोधन (1992) के माध्यम से मिला, जिसन हाल साहित्य-जगत के 'महापण्डित' का नाम-स्मरण आते ही, जिस सारस्वत हस्ताक्षर का चित्र उभरता है, वह है- राहुल सांकृत्यायन। उन्हें मध्य-एशिया के इतिहास लिखने वाले प्रथम भारतीय के रूप में भी जाना जाता है। १९२३ ई0 से राहुल सांकृत्यायन की देशान्तर मे भ्रमण करने की उत्कट इच्छा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप वे उसी वर्ष नेपाल गये थे। श्रीलंका गये थे, जहाँ वे डेढ़ माह तक रहे। वह जगह इतनी रास आयी थी कि वे वहाँ तीन बार गये थे। दूसरी और तीसरी बार क्रमशः १९३६ और १९५३ ई0 में। वे श्रीलंका में भी गये थे : १९२७ और १९६० ई0 में। अपनी पहली श्रीलंका-यात्रा मे उन्होंने १९ माह तक अध्यापन-कार्य किया था और दूसरी यात्रा में वहाँ कुछ समय रहकर अनेक ग्रन्थों का प्रणयन भी किया था। वे चीन और तिब्बत भी गये थे।

कितना आश्चर्य होता है, जब यह तथ्य उद्घाटित होता है कि एकमात्र ऐसा व्यक्ति, जिसने मात्र आठवीं तक की पढ़ाई की हो; परन्तु छत्तीस भाषाओं का ज्ञाता हो। उन दिनों स्वाध्याय को प्राथमिकता दी जाती थी; डिग्री-डिप्लोमा की कोई विशेष उपयोगिता नहीं होती थी; समाज में अनुभव सम्पन्न व्यक्तित्व की गणना होती थी। यहाँ हमारा संकेत उस शब्दजीवी से है, जिसने अपने पाण्डित्य और पुरुषार्थ के समक्ष विश्व को नतमस्तक कर दिया था और प्रबुद्ध-समाज ने उसे हाथोँ-हाथ लेकर 'महापण्डित' की उपाधि से समलंकृत किया था; क्योंकि उसने हिन्दी-साहित्य से सम्बन्धित शताधिक कृतियों का प्रणयन किया था। उसकी यायावरी वृत्ति इतनी चर्चित रही है कि उस शब्द निष्णात शिल्पी को 'हिन्दीयात्रा-साहित्य का पितामह' के रूप मे मान्यता दी गयी है।

साहित्य-जगत के 'महापण्डित' का नाम-स्मरण आते ही, जिस सारस्वत हस्ताक्षर का चित्र उभरता है, वह है- राहुल सांकृत्यायन। उन्हें मध्य-एशिया के इतिहास लिखने वाले प्रथम भारतीय के रूप में भी जाना जाता है। १९२३ ई0 से राहुल सांकृत्यायन की देशान्तर मे भ्रमण करने की उत्कट इच्छा हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप वे उसी वर्ष नेपाल गये थे। श्रीलंका गये थे, जहाँ वे डेढ़ माह तक रहे। वह जगह इतनी रास आयी थी कि वे वहाँ तीन बार गये थे। दूसरी और तीसरी बार क्रमशः १९३६ और १९५३ ई0 में। वे श्रीलंका में भी गये थे :ऽ १९२७ और १९६० ई0 में। अपनी पहली श्रीलंका-यात्रा मे उन्होंने १९ माह तक अध्यापन-कार्य किया था और दूसरी यात्रा में वहाँ कुछ समय रहकर अनेक ग्रन्थों का प्रणयन भी किया था। वे चीन और तिब्बत भी गये थे। उन्होंने १९३२ ई0 में यूरोप; १९३५ ई0 में जापान, कोरिया, मंचूरिया, सोवियत लैण्ड और ईरान; १९३८ ई0 में अफ़ग़ानिस्तान; १९४५ ई0 में पुनः ईरान में प्रवास किये थे। वे तीन वर्ष (१९४५ से १९४७ ई0) तक रूस में रहे, जहाँ उनकी विद्वत्ता से प्रभावित होकर उनसे लेनिनग्राद युनिवर्सिटी में प्राध्यापन करने का आग्रह किया गया था, जिसे स्वीकार कर लिया था।

तत्त्वान्वेषी और घुमक्कड़ी प्रवृत्ति के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध राहुल सांकृत्यायन ने अपने ऐतिहासिक अन्वेषण के क्षेत्र में जितनी श्रद्धा, निष्ठा और लगन दिखायी थी, वह अन्यत्र दुर्लभ है; क्योंकि जब गमनागमन के लिए द्रुत गतिवाले साधन प्रचलन में नहीं होते थे तब वे लंका, तिब्बत, पर्वत, पहाड़, खाई, जंगल आदिक से हज़ारों मील दूर तक भटकते हुए श्रीलंका, तिब्बत, बर्मा इत्यादिक क्षेत्रों से गहन पड़ताल करते हुए, बिखरी हुई पाण्डुलिपियोँ को खच्चर पर लादकर लाते हुए, भारत की सीमा में प्रवेश कर जाते थे। यही कारण था कि उन्होंने अपने अध्यवसाय और परिश्रम के बल पर इतः-ततः बिखरी और उपेक्षित पड़ी बहुभाषी पाण्डुलिपियोँ का उद्धार किया था।

चूँकि उन्हें संस्कृत, हिन्दी, तमिल कन्नड़, पालि, तिब्बती, अँगरेज़ी, रसन, फ्रेंच, जैपेनीज़ अरबी, फ़ारसी इत्यादिक ३६ भाषाओं का बोध था अतः पाण्डुलिपियोँ मे किस प्रकार का कहाँ-कहाँ ज्ञान भरा हुआ था और उसका साहित्य-संवर्द्धन करने में कितना महत्त्व था, इसे बहुविध समझ जाते थे। यही कारण था कि उन्होंने तिब्बत से लेकर श्रीलंका तथा मध्य-एशिया और काकेशस तक का भ्रमण किया था और वहाँ के वातावरण से प्रभावित होकर अपने यात्रावृत्त का लेखन भी किया था, जिसने यात्रा संस्मरण के एक अनुभव सम्पन्न अध्याय का प्रारम्भ भी किया था, जिसे प्रमाणित करती हैंऽ लद्दाख-यात्रा, लंका-यात्रा, तिब्बत में सवा वर्ष, यात्रा के पन्ने, कुमायूँ, किन्नर देश की ओर, दार्ज़िलिंग परिचय, एशिया के दुर्गम भूखण्डों में, यूरोप-यात्रा इत्यादिक ज्ञानप्रधान कृतियाँ।

उनकी यायावरी वृत्ति का परिणाम था कि उन्होंने कोश, यात्रा-साहित्य, अध्यात्म, संस्कृति, धर्म, दर्शन, इतिहास, राजनीति, जीवनी, लोकसाहित्य इत्यादिक विषयों पर पाण्डुलिपि लेखन किया था। चूँकि उन्होंने देश-देशान्तर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्राकृतिक सम्पदा, सामाजिक-सांस्कृतिक और आर्थिक जीवनदशा इत्यादिक का समीप से गहनतापूर्वक परिशीलन किया था अतः उनकी कृतियाँ अनुभवजन्य प्रतीत होती हैं। उनकी मान्यता रही है :ऽ ''घुमक्कड़ी मानव-मन की मुक्ति का साधन होने के साथ-साथ, अपने क्षितिज-विस्तार का भी साधन है।'' उन्होंने आह्वान किया था :ऽ ''कमर बाँध लो भावी घुमक्कड़ों! संसार तुम्हारे स्वागत के लिए बेकरार है।''

उनका जीवन अन्तर्विरोध से भरा हुआ था। वे परिवार-स्तर पर 'वैष्णव-मत' से सम्बद्ध रहे; आगे चलकर, आर्य समाज और बौद्ध धर्म से होते हुए, वामपन्थ से आ जुड़े, जो अन्तिम गन्तव्य रहा। इस प्रकार उन्होंने आजीवन बौद्ध मत और मार्क्सवाद के साथ सामंजस्य स्थापित किया था; क्योंकि इसके पीछे अनात्मवाद, जनतन्त्र के प्रति विश्वास एवं वैयक्तिक सम्पत्ति-विरोध रहा था; क्योंकि वे बातें दोनों में समान रूप से दिखायी देती हैं। जब उन्होंने वेदान्त का अनुशीलन किया था तब उनकी दृष्टि उन्मीलित हुई और वे सत्य-ज्ञान की तलाश मे निकल पड़े। जब भी सत्य पर प्रहार किया जाता था तब वे विद्रोही की मुद्रा में दिखते थे। इसे समझने के लिए उनकी पुस्तक 'बाईसवीं सदी' का अध्ययन किया जा सकता है। उन्होंने मन्दिरों में बलिदान प्रथा के प्रति सार्वजनिक रूप से अपने मुखर विचार को प्रकट किया था तब अपने धन्धे को मन्दा पड़ता देखकर, अयोध्या के तथाकथित सनातनी लाठी लेकर उन पर पिल पड़े थे। उन्हें हिन्दू धर्म के पाखण्ड के प्रति इतनी वितृष्णा हो गयी थी कि उन्होंने बौद्ध धर्म को स्वीकार कर लिया; परन्तु वहाँ भी वे पुनर्जन्म की व्यवस्था के विरुद्ध थे। उन्हें 'वामपन्थ' के प्रति आकर्षण था। उससे जुड़ने के बाद भी उन्होंने सोवियत संघ के साम्यवादी दल में सम्मिलित सत्तालोलुप और सुविधापरस्त नेताओं की भर्त्सना की थी।

१९४७ ई0 में अखिल भारतीय साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप मे उन्हें जो आलेख भाषण के रूप मे पढ़ने के लिए दिया गया था, उन्होंने उसे हटाकर अपना मौलिक भाषण किया था, जो साम्यवादी दल की नीतियों के विरुद्ध था; क्योंकि उन्होंने उसमें अल्पसंख्यक संस्कृति, सभ्यता, परम्परा एवं भाषिक प्रश्न किये थे। यद्यपि उन्हें दल की सदस्यता से वंचित रखा गया था तथापि उनकी मुखरता कुन्द नहीं हुई। इस सम्बन्ध में उनके तर्क और तथ्य को समझने के लिए उनकी वैचारिक कृतियों :ऽ 'वैज्ञानिक भौतिकवाद' और 'दर्शन-दिग्दर्शन' का अध्ययन करना होगा।

राहुल के जीवन का एक अन्य पक्ष अत्यन्त रोचक रहा; क्योंकि एक राहुल में जाने कितने नामकरण की सम्भावना बनी रही, जो फलीभूत भी होती रही। बचपन में केदारनाथ पाण्डेय आगे चलकर दामोदर स्वामी बन बैठे; राहुल सांकृत्यायन तो कहलाये ही, त्रिपिटिकाचार्य के नाम से जाने गये। मनुष्य के जीवन में शब्दशक्ति का कितना और कैसा प्रभाव पड़ता है, इसे समझने के लिए राहुल की बाल्यावस्था के साथ साक्षात करना होगा; क्योंकि राहुल का बचपन केदारनाथ पाण्डेय के नाम से दूसरी कक्षा से तीसरी कक्षा में पहुँचा था तब उन्होंने उर्दू की पाठ्य पुस्तक में एक शे'र पढ़ा था, जिसने उन्हें 'अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा' के रूप मे ला खड़ा किया था।

यूपी होमगार्ड परीक्षा को लेकर डीएम सख्त, केंद्रों का किया निरीक्षण

- सीसीटीवी, कंट्रोल रूम व स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाएं परखी, पारदर्शी व शांतिपूर्ण परीक्षा के दिए निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। यूपी होमगार्ड परीक्षा 2026 को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण व पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश की उपस्थिति में प्रस्तावित परीक्षा तिथियों 25, 26 व 27 अप्रैल को देखते हुए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने राजकीय बालिका इंटर कॉलेज मोतीनगर तथा जनता शिक्षा निकेतन रौकरना परीक्षा केंद्रों पर पहुंचकर सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली, कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम, डबल लॉक व्यवस्था, पेयजल व प्रकाश व्यवस्था समेत अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्टेटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया कि परीक्षा को हर हाल में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी व्यवस्थाएं समय से पहले दुरुस्त कर ली जाएं।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सुशील कुमार गोंड, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश सिंह सहित संबंधित अधिकारी, मजिस्ट्रेट एवं विद्यालय स्टाफ मौजूद रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा पर प्रशासन की कड़ी नजर, केंद्र पर सघन चेकिंग

उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्डस भर्ती परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जनपद में प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया। परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के उद्देश्य से सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर दीपक यादव ने शुक्लागंज स्थित ओपीजेडी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति, प्रवेश व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन और परीक्षार्थियों की जांच प्रक्रिया का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि वे पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाएं, ताकि परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। दीपक यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता और पारदर्शिता सर्वोपरि है, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने और आवश्यक होने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने केंद्र प्रभारी एवं स्टाफ को अभ्यर्थियों की सघन जांच सुनिश्चित करने, अनुशासन बनाए रखने तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने को कहा।

ओवरलोड वाहनों पर चला प्रशासन का शिकंजा, पांच सीज, 22 के कटे चालान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जनपद में सड़क सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के उद्देश्य से प्रशासन ने ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। जिला अधिकारी घनश्याम मीणा के निर्देशों के क्रम में संभागीय परिवहन अधिकारी (एआरटीओ) संजीव कुमार द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए व्यापक जांच पड़ताल की गई।

इस दौरान नियमों की अनदेखी कर संचालित हो रहे ओवरलोड वाहनों पर कार्रवाई करते हुए कुल पांच वाहनों को मौके पर ही निरुद्ध (सीज) किया गया, जबकि 22 वाहनों के चालान काटे गए। इस कार्रवाई से विभाग को लगभग 2 लाख 55 हजार रुपये का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है।

अभियान के तहत वाहनों के कागजात, फिटनेस, परमिट और लोडिंग क्षमता की गहन जांच की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि ओवरलोडिंग से न केवल सड़कों को नुकसान पहुंचता है, बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है, इसलिए ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संभागीय परिवहन अधिकारी संजीव कुमार ने बताया कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट संचालित होने वाले वाहनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रशासन की इस सख्ती से वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है और नियमों के पालन को लेकर सतर्कता बढ़ी है।

अपर जिलाधिकारी ने ग्राम शहजादपुर में भूमि विवाद की शिकायतों का मौके पर किया निस्तारण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देश पर टॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधान अभियान के तहत अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) शालिनी प्रभाकर ने तहसील सिराथू के ग्राम शहजादपुर में आयोजित कैम्प में पहुंचकर भूमि विवादों के निस्तारण की स्थिति का स्थलीय निरीक्षण किया।

इस दौरान राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम ने सक्रियता दिखाते हुए कुल 6 शिकायतों का मौके पर ही समाधान कराया।

निरीक्षण के दौरान गाटा संख्या 65 (रकबा 0.285 हेक्टेयर) बंजर भूमि पर हुए अवैध कब्जे को चिन्हित कर टीम द्वारा तत्काल अतिक्रमण हटवाया गया। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालय तक पहुंच मार्ग के लिए बनाए जा रहे इंटरलॉकिंग मार्ग में गोबर डालकर उत्पन्न की जा रही बाधा को भी मौके पर ही समाप्त कराया गया, जिससे निर्माण कार्य सुचारु रूप से आगे बढ़ सके। इसी क्रम में गाटा संख्या 499, जो भूमिधरी भूमि है, का आपसी सहमति के आधार पर चिन्हांकन कर विवाद का निस्तारण कराया गया। उप जिलाधिकारी योगेश कुमार गौड़ ने उपस्थित ग्रामीणों को जमीनी विवादों से बचने के उपाय एवं न्यायालय के माध्यम से विवाद निपटाने की प्रक्रिया की जानकारी दी, जिससे शिकायतकर्ता संतुष्ट नजर आये। अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भविष्य में भी इसी प्रकार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाय।

जिलाधिकारी ने ग्राम चौपाल लगाकर सुनी समस्याएं शिक्षा व सड़कों पर सख्त निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। गांव की समस्या, गांव में समाधान अभियान के तहत जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने विकास खंड कौशाम्बी के ग्राम रसूलपुर बड़गांव में ग्राम चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिये। चौपाल के दौरान जिलाधिकारी ने लाभार्थियों से पुष्टाहार, पेंशन, शौचालय, राशन, कन्या सुमंगला योजना एवं आवास जैसी योजनाओं की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जो पात्र व्यक्ति योजनाओं से वंचित हैं उन्हें तत्काल लाभान्वित किया जाय। स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेने पर ग्रामीणों ने संतोष जताया, जिस पर जिलाधिकारी ने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिये। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों और ह्लखपति दीदीङ्क पहल की समीक्षा करते हुए कहा कि समूह से जुड़ी महिलाओं को अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ देकर उनके स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जाए। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार वितरित किया गया तथा बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। चौपाल में ग्रामीणों ने विद्यालय में पढ़ाई की खराब स्थिति की शिकायत की। इस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताते हुए जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को 15 दिन के भीतर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिये। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सुधार न होने पर प्रधानाध्यापक व शिक्षकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जिला विकास अधिकारी को 15 दिन बाद विद्यालय का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। ग्रामीणों ने सड़कों की खराब स्थिति और शाम के समय बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या भी उठायी। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को गांव के सभी मार्गों को दुरुस्त कराने तथा अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्धारित समय तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 65 परिवारों और 5 निराश्रित महिलाओं को चिन्हित किया गया है, जिन्हें शीघ्र ही आवास उपलब्ध कराया जायेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार, उप

ग्राम टेंवा में एसडीएम की कार्यवायी, मौके पर सुलझे भूमि विवाद

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार ह्लटॉप 10 भूमि विवादों का मौके पर समाधानङ्क अभियान के तहत उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह ने ग्राम टेंवा में कैम्प आयोजित कर भूमि विवादों का त्वरित निस्तारण कराया। इस दौरान राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम भी मौजूद रही। ग्राम टेंवा की आराजी संख्या-400 एवं 400/1733, जो खतौनी में चकमार्ग व कास्तकार के रूप में दर्ज है, को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। जांच के दौरान पाया गया कि कास्तकार द्वारा चकरोड के आंशिक भाग पर पिलर लगाकर अवैध कब्जा कर लिया गया था। एसडीएम के निर्देशन में मौके पर ही कार्रवाई करते हुए संयुक्त टीम ने चकरोड पर किए गए अवैध कब्जे को हटवाया। साथ ही कास्तकार की भूमि की पैमाइश कर उसे स्पष्ट रूप से चिन्हित कराया गया, जिससे भविष्य में विवाद की स्थिति न बने। इस त्वरित कार्रवाई से शिकायतकर्ता पूरी तरह संतुष्ट नजर आये। उप जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जन समस्याओं के समाधान में इसी प्रकार संवेदनशीलता और तत्परता बनाए रखें, ताकि लोगों को समय पर न्याय मिल सके।

डीएम, एसपी ने किया होमगार्ड एनरोलमेंट परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। जनपद बांदा में होने वाली आगामी होमगार्ड एनरोलमेंट-2025 की लिखित परीक्षा सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु की जा रही कार्यवाही व तैयारियों के क्रम आज जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों व स्थापित कंट्रोल रुम का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान परीक्षा व्यवस्थाओं व केन्द्रो पर मूलभूत सुविधाएं- पेयजल, शौचालय, प्रकाश आदि की व्यवस्था एवं पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सीसीटीवी कैमरों की सुचारु व्यवस्था एवं सक्रियता के साथ-साथ कंट्रोल रुम की व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं कमियों को अतिशीघ्र ससमय पूरा करने के निर्देश दिए गए ।

गुरूवार को जिलाधिकारी बाँदा अमित आसेरी ने आज आगामी 25 से 27 अप्रैल, 2026 को होने वाली होमगार्ड परीक्षा की तैयारियों के सम्बन्ध में परीक्षा केन्द्रों एवं कन्ट्रोल रूम पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में उन्होंने कन्ट्रोल रूम में कैमरों से निगरानी किये जाने की व्यवस्था का जायजा लेते हुए परीक्षा तिथियों में इण्टरनेट कनेक्टिविटी की व्यवस्था सुचारू रूप से रखने तथा परीक्षा केन्द्रों में समय से सामग्री उपलब्ध कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने होमगार्ड भर्ती परीक्षा केन्द्र डीएवी कॉलेज के स्ट्रांग रूम एवं कन्ट्रोल रूम का निरीक्षण किया तथा सभी परीक्षा कक्षों के सीसीटीवी कैमरों को संचालित रखने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षा केन्द्र में आवश्यक प्रकाश की व्यवस्था, फर्नीचर, सिटिंग प्लान, पेयजल, छाया तथा सुरक्षा की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये। उन्होंने परीक्षा की तिथियों में एम्बुलेन्स की व्यवस्था एवं प्राथमिक उपचार की समुचित व्यवस्था भी रखे जाने के निर्देश दिये।

सेवानिवृत शिक्षक सम्मान समारोह हुआ आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

पुरवा-उन्नाव। विकास खण्ड हिलौली के सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में बीईओ सुरेश कुमार ने कहा कि शिक्षक कभी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त नहीं होते है, बल्कि सेवाकाल पूर्ण कर अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हैं। इस दौरान दो सत्रों के कुल तीन शिक्षकों को अंगवस्त्र, गीता की पुस्तक, कपड़े, फल आदि देकर सम्मानित किया गया। गुरुवार को बीआरसी मौरावां में प्राथमिक व जूनियर शिक्षक संघ के द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह के संयुक्त आयोजन में खण्ड शिक्षा अधिकारी हिलौली सुरेश कुमार ने कहा कि शिक्षक सदैव अपने छात्रों व समाज के प्रति समर्पित रहता है। सही मायने में वह राष्ट्र निर्माता है। बीईओ ने कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

कंपोजिट यूपीएस उत्तरथोक विद्यालय की शिक्षिका रेणु बड़थवाल लखनऊ में सम्मानित

मछरेहटा (सीतापुर)। शिक्षा के क्षेत्र में विकास खंड मछरेहटा का मान बढ़ाते हुए कंपोजिट यूपीएस उत्तरथोक की शिक्षिका श्रीमती रेणु बड़थवाल को राज्य स्तर पर 'उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान' से नवाजा गया है। यह सम्मान उन्हें लखनऊ में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम के दौरान प्रदान किया गया।

NMMS परीक्षा में शानदार प्रदर्शन- दरअसल, लखनऊ में प्रदेश स्तर पर आयोजित राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 में जिन विद्यालयों के 5 या उससे अधिक छात्र उत्तीर्ण हुए, उन विद्यालयों के शिक्षकों को इस विशेष सम्मान के लिए चुना गया था।

सीतापुर के टॉप-10 स्कूलों में शामिल- जनपद सीतापुर से कुल 10 विद्यालयों का चयन इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए किया गया, जिसमें विकास खंड मछरेहटा का कंपोजिट यूपीएस उत्तरथोक अग्रणी रहा। शिक्षिका श्रीमती रेणु बड़थवाल के मार्गदर्शन में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने कठिन परीक्षा में सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया।

संक्षिप्त समाचार

होमगार्ड भर्ती परीक्षा को लेकर प्रशासन मुस्तैद

शुक्लागंज, उन्नाव। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित होमगार्ड्स भर्ती परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए स्थानीय प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो, इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार केंद्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को सीओ सिटी दीपक यादव ने शुक्लागंज के राजधानी मार्ग स्थित ओम प्रकाश ज्वाला देवी इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर तैनात पुलिस बल की उपस्थिति जांची और सुरक्षा मानकों का बारीकी से अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान सीओ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सख्त निर्देश दिए कि वे पूरी मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें और संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी नजर रखें। उन्होंने केंद्र व्यवस्थापकों के साथ भी समन्वय बैठक की, ताकि परीक्षार्थियों को पेयजल, बैठने की व्यवस्था या प्रवेश के समय किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। प्रशासन की इस सक्रियता और कड़े सुरक्षा घेरे के कारण परीक्षा शांतिपूर्ण और अनुशासित माहौल में संपन्न हो रही है।

पीड़ित ने दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट नवीन पुल के पास दबंगई का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहाँ शराब पीने के लिए पैसे न देने पर एक दबंग ने युवक पर उस्तरे से जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

पूर्व बार अध्यक्ष सतीश शुक्ल ने प्रेस वार्ता कर लगाए गंभीर आरोप

- वर्तमान अध्यक्ष पर अपमानित करने व छवि धूमिल करने का आरोप; बार काउंसिल प्रयागराज को सौंपा प्रार्थना पत्र

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। जिला बार एसोसिएशन की राजनीति में उस समय हलचल तेज हो गई, जब पूर्व बार अध्यक्ष सतीश कुमार शुक्ल ने प्रेस वार्ता कर वर्तमान अध्यक्ष गिरीश कुमार मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी रंजिश के चलते उन्हें लगातार निशाना बनाया जा रहा है और संगठन की बैठकों में सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जा रहा है।

पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ल ने बताया कि उन्होंने पूरे प्रकरण को लेकर बार काउंसिल अध्यक्ष प्रयागराज को प्रार्थना पत्र सौंपा है। उनका कहना है कि वर्तमान अध्यक्ष द्वारा बार एसोसिएशन की बैठकों में बार-बार उन्हें कटघरे में खड़ा किया जा रहा है, जिससे उनकी छवि अधिवक्ताओं के बीच धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में निवर्तमान महामंत्री अरविंद कुमार दीक्षित के साथ मिलकर अधिवक्ताओं के सामंजस्य व सहयोग से लगभग 250 चैंबरों का निर्माण कराया गया था। उस समय किसी भी अधिवक्ता द्वारा कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी। इसके बावजूद वर्तमान अध्यक्ष द्वारा इस मुद्दे को बार-बार उठाकर उन्हें बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि संगठन की बैठकों का उपयोग व्यक्तिगत द्वेष निकालने के लिए किया जा रहा है, जो बार एसोसिएशन की गरिमा के विपरीत है। सतीश शुक्ल ने निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि पूरे प्रकरण की पारदर्शी तरीके से जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके।

यूपी होमगार्ड परीक्षा 2026 को लेकर डीएम की सख्त बैठक

उन्नाव। यूपी होमगार्ड परीक्षा 2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण, पारदर्शी एवं शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिलाधिकारी घनश्याम मीणा ने कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश भी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने 25, 26 व 27 अप्रैल 2026 को आयोजित होने वाली परीक्षा को लेकर सेक्टर, जोनल व स्टेटिक मजिस्ट्रेट सहित केंद्र व्यवस्थापकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गंभीरता को समझते हुए सभी अधिकारी अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करें। डीएम ने निर्देश दिए कि सेक्टर मजिस्ट्रेट परीक्षा से पूर्व सभी केंद्रों का निरीक्षण कर लें और वहां प्रकाश, पेयजल, फर्नीचर, सीसीटीवी, बायोमेट्रिक, कंट्रोल रूम सहित सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त कर लें। परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

बेजुबानो की प्यास बुझाने के लिए आगे आई राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद

- हर घर नाद अभियानः बेजुबानों के लिए बनी जीवन दायिनी पहल अंकित शुक्ला
- गौ सेवा एवं पशुओ की सेवा करने वाले व्यक्ति की अकाल मृत्यु नही हो सकतीः अंकित शुक्ला

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। सरोकारों में बढ़बढ़ कर शामिल रहने वाली राष्ट्रीय सैनिक छात्र सेवा परिषद के संस्थापक व अध्यक्ष अंकित शुक्ला के नेतृत्व में भीषण गर्मी के इस दौर में जहां इंसान ठंडे पानी की व्यवस्था कर राहत महसूस कर रहा है वहीं बेजुबान पशु-पक्षी बूंद-बूंद पानी के लिए भटक रहे हैं। ऐसे समय में संस्था द्वारा संचालित हर घर नाद एवं दाना पानी अभियान समाज के सामने एक प्रेरणादायक और मानवीय उदाहरण बनकर उभरा है। इस अभियान का उद्देश्य घर-घर के बाहर पानी के बर्तन (नाद) रखवाकर पशु-पक्षियों के लिए पानी की समुचित व्यवस्था करना है और इस वर्ष इसे और व्यापक स्तर पर ले जाने का लक्ष्य रखा गया है।

हाई टेंशन केबल बॉक्स में भीषण आग लगने से बिजली आपूर्ति ठप

शुक्लागंज-उन्नाव। नगर में बिजली व्यवस्था की बदहाली और तकनीकी खामियों के कारण स्थानीय निवासियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। बुधवार रात करीब 11 बजे पावर हाउस के समीप स्थित हाईटेंशन केबल बॉक्स में अचानक भीषण आग लग गई। इस हादसे के कारण फीडर नंबर तीन की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई, जिससे क्षेत्र के दर्जनों मोहल्ले अंधेरे की आगोश में समा गए। केबल जलने से सुभाष नगर, ऋषि नगर, साकेतपुरी, नेहरू नगर, रश्मिलोक, आनंद नगर और गोपीनाथ पुरम जैसे सघन आबादी वाले इलाकों की बत्ती गुल हो गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच घंटों बिजली न आने से लोगों का हाल बेहाल हो गया। करीब डेढ़ घंटे तक बिजली न आने पर आक्रोशित उपभोक्ताओं ने जब पावर हाउस फोन किया, तब जाकर खराबी की जानकारी मिली। रात एक बजे तक इनवर्टरों ने भी जवाब दे दिया, जिससे पंखे बंद होने के कारण लोग गर्मी से उबल पड़े। सबसे ज्यादा परेशानी बुजुर्गों, बीमारों और स्कूली बच्चों को उठानी पड़ी, जो पूरी रात छतों पर टहलने को मजबूर रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–ऑक्शन सूचना

वरि0 मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/इज्जतनगर द्वारा आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) पर पंजीकृत संस्थाओ से ई–ऑक्शन के माध्यम से विज्ञापन एवं एन.एफ.आर. ठेकों हेतु बोलियां आमंत्रित की जा रही है। ऑक्शन कैटेलाग को आई.आर.ई.पी.एस. (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया जा चुका है। इज्जतनगर मंडल की आगामी ई–ऑक्शन का विवरण निम्नवत है:– **श्रेणी NFR कैटलॉग सं0** IZN-NFR-PS-26-0 **एसेट विवरण:** काठगोदाम इज्जतनगर और बरेली सिटी रेलवे स्टेशन परिसर में 10 वर्ष प्रीमियम ब्रांड बिक्री/सेवा आउटलेट की स्थापना। **ऑक्शन प्रारम्भ:** 30.04.26 11:00:00 **ऑक्शन समापन:** 30.04.26 11:50:00 **श्रेणी** Advt **कैटलॉग सं0** IZN-Advt-26-02 **एसेट विवरण:** इज्जतनगर मंडल के 19 लोकेशनों जैसे स्टेशन के अन्दर, स्टेशन एरिया, एल.सी.गेट एवं एल.सी.गेट एरिया में होर्डिंग/यूनीपोल/गेन्टी ओवरहेड जल टैंक पर द्वारा तीन वर्षो के लिये विज्ञापन प्रदर्शित करने हेतु। **ऑक्शन प्रारम्भ:** 30.04.26 11:00:00 **ऑक्शन समापन:** 30.04.26 14:30:00 1. बोलीदाताओ को सलाह दी जाती है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित जानकारी के लिये रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in देखें। 2. उक्त ई–ऑक्शन, आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) के ई–ऑक्शन लीजिंग मॉडयूल के माध्यम से आमंत्रित किया गया है। 3.ई–ऑक्शन सम्बन्धित समस्त जानकारी जैसे पात्रता, कार्य का दायरा, ठेके की अवधि, नियम एवं शर्तें आदि आई.आर.ई.पी.एस (IREPS) की वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। 4.बोलीदाता उक्त दिये गये दिनांक एवं समय के अनुसार ही ई– ऑक्शन में भाग ले सकते है। 5.सभी संभावित बोलीदाताओं से अनुरोध है कि ई–ऑक्शन से सम्बन्धित किसी भी शुद्धिपत्र हेतु नियमित रूप से रेलवे की वेबसाइट www. ireps.gov.in का अवलोकन करते रहें।

मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/ इज्जतनगर

मुजाधि/वाणिज्य–20

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

मुंडन को जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर-ट्रॉली खाई में पलटी, 5 की मौत, 15 घायल

- दो ट्रालियों को जोड़कर ले जा रहे थे 90 लोग, सामने से आए वाहन को बचाने में बिगड़ा संतुलन, सीएम योगी ने जताया शोक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। पढुआ थाना क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई जबकि 15 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा ओवरलोडिंग के कारण हुआ। शारदानगर थाना क्षेत्र के सेमरी गांव के करीब 90 श्रद्धालु मुंडन संस्कार के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से बहराइच जिले के सुजौली थाना क्षेत्र स्थित कारीकोट माता मंदिर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रैक्टर के साथ दो ट्रालियों को आपस में जोड़कर उसमें 80 से 90 लोगों को बैठाया गया था। ओवरलोडिंग के कारण चालक को वाहन का संतुलन बनाने में दिक्कत हो रही थी। पढुआ थाना क्षेत्र में अचानक सामने से एक वाहन आ गया। उसे बचाने के प्रयास में चालक का संतुलन बिगड़ गया और अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली सड़क किनारे खाई में जा गिरी। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। कई लोग ट्रॉली के नीचे दब गए जबकि कई घायल सड़क पर इधर-उधर बिखर गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और अपने स्तर से दबे लोगों को निकालने का प्रयास किया। इस हादसे में आरुषि (12) पुत्री विनोद, राजकुमारी (40) पत्नी केश कुमार, नैंसी देवी (15) पुत्री रमाकांत, पंछी (16) पुत्री विशंभर और मखाना (45) पत्नी मेवालाल की मौके पर ही मौत हो गई। सभी मृतक शारदानगर थाना क्षेत्र के सेमरी गांव के निवासी थे।

हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। इनमें से नौ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

सीएम ने जताया शोक

हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

प्रशासन ने डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए हैं।

सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लेकर चालक से पूछताछ की जा रही है। पुलिस मामले की बारीकी से जांच कर रही है। हादसे में शामिल एक युवक ने बताया कि सभी लोग एक साथ मुंडन संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। दो ट्रालियों को जोड़ने और क्षमता से अधिक लोगों के बैठने से ही यह हादसा हुआ। गांव में हादसे की खबर पहुंचते ही मातम पसर गया है।

जान हथेली पर रखकर सफर, हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद प्रशासन बेखबर

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। कस्बे में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर बैठकर जान जोखिम में डालकर सफर करने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। शादी-मुंडन संस्कार का सीजन शुरू होते ही शहर व कस्बे के प्रमुख चौराहों पर सुबह से शाम तक ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में ठूंस-ठूंसकर जाते लोगों को आसानी से देखा जा सकता है। चिंताजनक यह है कि लगातार हो रहे हादसों और माननीय उच्च न्यायालय के सख्त निर्देशों के बावजूद पुलिस व परिवहन विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। स्थानीय लोगों के अनुसार कृषि कार्य हेतु पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉलियों का धड़ल्ले से व्यावसायिक उपयोग हो रहा है। इनमें बैठकर यात्रा करने के दौरान अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। शासन द्वारा इस तरह की

यात्रा पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। हाल ही में उच्च न्यायालय ने भी ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से सवारी ढोने पर रोक लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। इसके बावजूद शहर-कस्बे में रोजाना ट्रॉलियों में सामान के ऊपर बैठकर लोग सफर करते नजर आते हैं। गुरुवार दोपहर अज़ान पुलिस चौकी क्षेत्र से चंद कदमों की दूरी पर रोजाना गुजर रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में महिलाओं, बच्चों और पुरुषों सहित करीब 30 लोग सवार थे। कई लोग खड़े होकर भी सफर कर रहे थे। यह ट्रॉली कस्बे के मुख्य मार्ग से होते हुए रोजाना गुजरती है। खास बात यह है कि अज़ान पुलिस चौकी के चंद कदमों की दूरी पर स्थित है, लेकिन किसी ने रोकने-टोकने की जहमत नहीं उठाई। परिवहन विभाग के अधिकारी भी आंखें बंद किए हुए हैं। मोटर वाहन अधिनियम के तहत कृषि कार्य के लिए पंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉली से सवारी ले जाना दंडनीय अपराध है। इन वाहनों में न तो बैठने की सुरक्षित व्यवस्था होती है और न ही किनारों पर रेलिंग। जरा सा ब्रेक लगने या मोड़ पर असंतुलित होने से बड़ा हादसा हो सकता है। इसके बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों में सस्ता साधन होने के कारण लोग मजबूरी में इसका इस्तेमाल करते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पुलिस और परिवहन विभाग को इस तरह के वाहनों पर कार्रवाई की याद किसी बड़े हादसे के बाद ही आती है। लोगों ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि हाईकोर्ट के आदेश का पालन कराते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली से सवारी ढोने पर तत्काल रोक लगाई जाए और शादी सीजन में वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था की जाए, ताकि खुशी का मौका मातम में न बदले।

नौगमा में तेंदुए का हमला: पालतू कुत्ते का शिकार, वन विभाग अलर्ट

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। महेशपुर वन रेंज की विलहरी बीट अंतर्गत ग्राम कोटबारा के मजरा नौगमा में तेंदुए की दस्तक से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। बुधवार शाम ग्राम प्रधान सुशील वर्मा का पालतू कुत्ता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था, जिसका अगले दिन खेतों के पास अवशेष मिलने से तेंदुए द्वारा शिकार किए जाने की पुष्टि हुई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों को कुत्ते के अवशेष और उसका गले का पट्टा मिला। सूचना मिलते ही ग्राम प्रधान मौके पर पहुंचे और कुत्ते की पहचान की। इसके बाद वन विभाग को अवगत कराया गया। सूचना पर विलहरी वन चौकी की टीम तत्काल मौके पर पहुंची।

वन दरोगा विजय सिंह, माया प्रकाश वर्मा, रोहित सिंह व अरविंद कश्यप ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षेत्र में तेंदुए की सक्रियता की पुष्टि की। टीम ने आसपास के इलाके में सतर्कता बढ़ाते हुए गश्त तेज कर दी है।

वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की अपील करते हुए शाम व रात के समय अकेले खेतों या जंगल की ओर न जाने, बच्चों व पालतू पशुओं को सुरक्षित रखने और समूह में ही खेतों में जाने की सलाह दी है। किसी भी जंगली जानवर की गतिविधि दिखने पर तत्काल सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं। घटना के बाद नौगमा व आसपास के गांवों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और नियमित निगरानी की मांग की है। वन विभाग ने आश्वासन दिया है कि क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो सके।

अम्बरपुर में भीषण अग्निकांड: 66 घर जलकर राख, 115 परिवार बेघर

- डीएम-विधायक ने बांटा राहत राशन व तिरपाल, मुआवजे का दिया भरोसा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अजान खीरी। तहसील गोला के ब्लॉक बिजुआ अंतर्गत ग्राम अम्बरपुर में बीती रात भीषण अग्निकांड से हाहाकार मच गया। आग की विकराल लपटों ने देखते ही देखते पूरे गांव को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे 66 घर जलकर पूरी तरह राख हो गए।

इस दर्दनाक घटना में 115 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनका घर-गृहस्थी का अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन सक्रिय हो गया। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह और क्षेत्रीय विधायक अमन गिरि ने तत्काल गांव पहुंचकर हालात का जायजा लिया। दोनों ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया।

डीएम ने कहा कि इस संकट की घड़ी में शासन-प्रशासन पूरी तरह प्रभावितों के साथ खड़ा है। प्रभावित परिवारों को खुले आसमान के नीचे रात न बितानी पड़े, इसके लिए प्रशासन ने तत्काल राहत कार्य शुरू किए। मौके पर ही सभी 115 परिवारों को खाद्यान्न व राशन किट वितरित की गईं, वहीं अस्थायी आश्रय के लिए तिरपाल भी उपलब्ध कराए गए। जिलाधिकारी ने राजस्व टीम को नुकसान का विस्तृत आकलन करने के निर्देश दिए हैं, ताकि पीड़ितों को शीघ्र आर्थिक सहायता और मुआवजा दिया जा सके।

विधायक अमन गिरि ने भी घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए कहा कि किसी भी परिवार को भूखा या बेघर नहीं रहने दिया जाएगा और सभी को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया जाएगा राहत कार्यों की निगरानी के लिए एसडीएम गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी और तहसीलदार भीमचंद पुलिस बल व राजस्व टीम के साथ गांव में ही डटे रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनकर उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया है फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच कराई जा रही है।

अम्बरपुर गांव में भीषण आग दर्जनों घर जलकर राख

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। तहसील गोला क्षेत्र के ग्राम गोगावां के मजरा अम्बरपुर में अचानक लगी भीषण आग से दर्जनों घर जलकर राख हो गए। आग की इस घटना में प्रभावित परिवारों का घरेलू सामान, अनाज और अन्य जरूरी वस्तुएं पूरी तरह नष्ट हो गईं, जिससे ग्रामीणों के सामने बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक कई परिवारों का काफी नुकसान हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही उप जिलाधिकारी गोला प्रतीक्षा त्रिपाठी और तहसीलदार भीमचंद मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रभावित परिवारों से मिलकर हालात का जायजा लिया और तुरंत राहत कार्य शुरू कराए। प्रशासन की ओर से पीड़ितों के लिए तत्काल राशन-पानी की व्यवस्था कराई गई, साथ ही अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है इस घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी का माहौल रहा, वहीं पीड़ित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

खाद-बीज दुकानों पर सख्ती, 3 लाइसेंस निलंबित, 4 को कारण बताओ नोटिस

उन्नाव। जिला कृषि रक्षा अधिकारी शशांक द्वारा बुधवार को परियर व पावा क्षेत्र में खाद, बीज एवं कीटनाशी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठानों पर स्टॉक बोर्ड, रेट बोर्ड, वितरण रजिस्टर, स्टॉक रजिस्टर और कैश मेमो आदि अभिलेखों की गहन जांच की गई, जिसमें कई दुकानों पर अनियमितताएं पाई गईं। जांच के दौरान रितेश बीज भंडार परियर, लक्ष्मी बीज भंडार पावा, मोहन बीज भंडार पावा, तिवारी खाद केंद्र तथा राम रहीम बीज भंडार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। वहीं निषाद खाद एवं बीज भंडार के प्रतिष्ठान बंद मिलने तथा किसान एग्रो क्लिनिक सेंटर परियर व तिवारी खाद केंद्र परियर द्वारा कीटनाशकों का विक्रय नियमानुसार न किए जाने पर तीन लाइसेंस निलंबित कर दिए गए। जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विक्रेता ऋध्र्व्ट्ट पोर्टल पर पंजीकरण अवश्य कराएं, अन्यथा लाइसेंस निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही बिना खतौनी के खाद की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी और उल्लंघन की स्थिति में कठोर कार्रवाई होगी।

पेट्रोल पंपों पर लिमिट लागू: उपभोक्ताओं में किल्लत, लंबी कतारों से बढ़ी परेशानी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। नगर के मोहम्मदी रोड स्थित पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की सीमित बिक्री को लेकर नोटिस लगाए जाने के बाद उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ गई है। पंप संचालकों द्वारा दोपहिया वाहनों को ?100 और चारपहिया वाहनों को ?1000 तक ही पेट्रोल देने की सीमा तय किए जाने से पंपों पर भारी भीड़ उमड़ रही है।

स्थिति यह है कि सुबह से ही पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, लेकिन इसके बावजूद क्षेत्र में पेट्रोल की किल्लत कम होने का नाम नहीं ले रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ लोग वाहनों की टंकियां फुल कराकर घरों में बोतलों और डिब्बों में पेट्रोल जमा कर रहे हैं, जिससे कृत्रिम कमी पैदा हो रही है और जरूरतमंदों को समय पर पेट्रोल नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों और शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि पेट्रोल

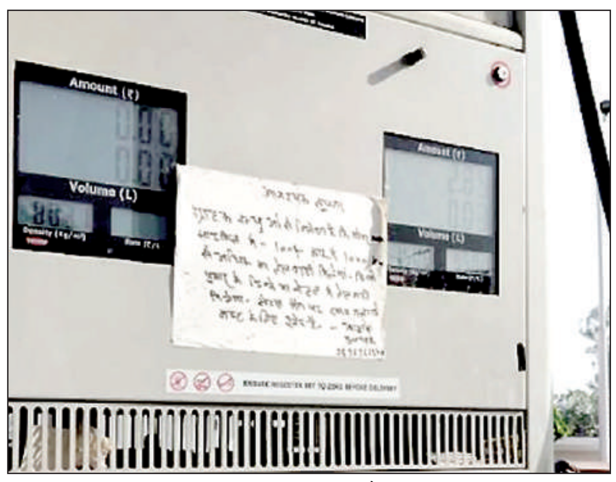

वितरण की अधिकतम सीमा ?200 तय की जाए, ताकि जमाखोरी पर रोक लग सके और सभी उपभोक्ताओं को समान रूप से पेट्रोल मिल सके।

इस समस्या का सबसे ज्यादा असर शिक्षकों और अनुदेशकों पर पड़ रहा है, जिन्हें रोजाना पेट्रोल के लिए 1-2 घंटे तक लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। इसके चलते समय पर विद्यालय पहुंचना उनके लिए मुश्किल हो गया है। कई पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल खत्म होने की भी सूचना है, जिससे आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाता है।

संक्षिप्त समाचार

अग्नि पीड़ितों की मदद को आगे आए कांग्रेसी नेता, 70 परिवारों को बांटे राहत पैकेट

गोला गोकर्णनाथ खीरी। ब्लॉक बिजुआ की ग्राम पंचायत गोगावां के ग्राम अमरपुर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद पीड़ित परिवारों की मदद के लिए कांग्रेसी नेता एडवोकेट अनूप वर्मा आगे आए। उन्होंने अपनी टीम के साथ गांव पहुंचकर प्रभावित लोगों से मुलाकात की और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। जानकारी के अनुसार, आग की इस घटना में करीब 70 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनका काफी नुकसान हुआ है। ऐसे में एडवोकेट अनूप वर्मा, जो बार एसोसिएशन गोला के पूर्व महामंत्री भी रह चुके हैं, ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया। उनके साथ एडवोकेट शोएब आलम, मनोज शर्मा और अफजल शाह भी मौजूद रहे। टीम ने पीड़ित परिवारों को लंच पैकेट वितरित किए और उन्हें इस कठिन समय में हिम्मत बनाए रखने के लिए प्रेरित किया कांग्रेसी नेता ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि कांग्रेस पार्टी इस दुख की घड़ी में उनके साथ खड़ी है और आगे भी हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

साइबर ठगी के मामले में पीड़ित को वापस दिलाई धनराशि

सफीपुर-उन्नाव। कस्बे के एक युवक से हुई साइबर ठगी के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित को 18 हजार रुपये की धनराशि वापस दिलाई है। कस्बा सफीपुर के सलोंद रोड निवासी सतीश चंद्र गुप्ता के पुत्र मयंक गुप्ता के साथ 15 फरवरी 2026 को साइबर ठगों ने फर्जी मैसेज भेजकर 20 हजार रुपये की ठगी कर ली थी। घटना के बाद पीड़ित ने साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही सफीपुर कोतवाली पुलिस की साइबर टीम सक्रिय हो गई और मामले में आवश्यक कार्रवाई शुरू की। लगातार प्रयासों के बाद गुरुवार को पीड़ित के खाते में 18 हजार रुपये की धनराशि वापस करा दी गई। कोतवाली प्रभारी आईपीएस संचित शर्मा व एसएन त्रिपाठी ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या मैसेज पर क्लिक न करें। साइबर ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन या पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

माल वाहनों में सवारी ले जाना गंभीर अपराध पकड़े जाने पर होगी कड़ी कार्यवायी

कौशाम्बी। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी तारकेश्वर मल्ल ने जनपद में सड़क सुरक्षा को लेकर सख्त चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि माल वाहनों में सवारी ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है और यह एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की लापरवाही से अक्सर दुर्घटनाओं में जनहानि की आशंका बनी रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि माल वाहनों में सवारी ले जाना मोटरयान अधिनियम 1988 की धारा 192 एवं 194 का उल्लंघन है। ऐसे मामलों में परिवहन विभाग द्वारा संबंधित वाहन पर भारी जुर्माना लगाया जाता है, वाहन को निरुद्ध किया जाता है तथा चालक के ड्राइविंग लाइसेंस को निलंबित कर विधिक कार्रवाई भी की जाती है। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ने जनपद के सभी वाहन स्वामियों एवं चालकों से अपील की है कि वे किसी भी परिस्थिति में माल वाहनों में सवारी न बैठाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जायेगी जिसकी पूरी जिम्मेदारी संबंधित वाहन स्वामी और चालक की होगी।

माता-पिता के साये के बिना हृदयांशी ने जिले में लहराया परचम, बनीं मिसाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

अज़ान खीरी। कहते हैं कि अगर इरादे मजबूत हों तो बड़ी से बड़ी मुश्किल भी राह नहीं रोक पाती। इस बात को सच कर दिखाया है कृषक समाज इंटर कॉलेज की छात्रा हृदयांशी सक्सेना ने। हृदयांशी ने उत्तर प्रदेश बोर्ड की हाईस्कूल परीक्षा में जनपद में छठा स्थान प्राप्त कर अपने विद्यालय और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

हृदयांशी की यह उपलब्धि इसलिए और भी खास बन जाती है क्योंकि उन्होंने इसे बेहद कठिन परिस्थितियों में हासिल किया। कुछ माह पूर्व ही उनके सिर से माता-पिता दोनों का साया उठ गया था। इस गहरे सदमे के बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी, बल्कि

अपने हौसले और मेहनत के दम पर आगे बढ़ते हुए यह मुकाम हासिल किया। हृदयांशी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों और विद्यालय के प्रधानाचार्य को दिया। उन्होंने बताया कि शिक्षकों के निरंतर मार्गदर्शन और प्रोत्साहन ने उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखा और पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने में मदद की। भविष्य को लेकर हृदयांशी का लक्ष्य स्पष्ट है। वह संघ लोक सेवा आयोग (ठच्ै्ट्टए) की तैयारी कर प्रशासनिक अधिकारी बनना चाहती हैं, ताकि देश की सेवा कर सकें।

हृदयांशी की इस सफलता पर विद्यालय में खुशी का माहौल है। प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण ने इसे संघर्ष और संकल्प की जीत बताते हुए कहा कि उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है।

हरियाली के बीच शिक्षा, बच्चों को सिखाया प्रकृति का महत्व

उन्नाव। उच्च प्राथमिक विद्यालय रामपुर गढ़ौवा के हरित और समृद्ध प्राकृतिक वातावरण में आगरा डायट के अनुभवी प्रवक्ता एवं शिक्षाविद डॉ मनोज कुमार वार्ष्णेय ने बच्चों के साथ पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता और जल संरक्षण पर विस्तार से संवाद किया। उन्होंने विद्यालय परिसर में विकसित हरित इको-सिस्टम का अवलोकन करते हुए इसे प्रकृति आधारित शिक्षण का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। बगीचे में बच्चों के साथ चलते हुए उन्होंने विभिन्न प्रकार के पौधों, फलदार वृक्षों, पुष्पों एवं वहां पाई जाने वाली जैव विविधता के बारे में बच्चों से प्रश्न पूछे और उनकी समझ विकसित की। वर्मीकंपोस्ट की प्रक्रिया को देखकर उन्होंने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकता पर बल दिया।

जलवायु परिवर्तन पर पोस्टर प्रतियोगिता: बच्चों ने रंगों से दिया 'पृथ्वी बचाओ' का संदेश

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोला गोकर्णनाथ खीरी। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में श्रीमती कलावती बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में भव्य पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कोरैया पर्यावरण संरक्षण सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय ़वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तनङ्क रहा।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को जलवायु परिवर्तन के बढ़ते खतरों, उसके कारणों और बचाव के उपायों के प्रति जागरूक करना था। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए रंगों और रचनात्मकता के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश प्रस्तुत किया। उनके पोस्टरों में प्रकृति

संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और हरियाली बढ़ाने जैसे विषय प्रमुख रूप से उभरे।

प्रधानाचार्य जगजोत कुमार सिंह द्वारा गठित निर्णायक मंडल-विवेक शुक्ला, अखिलेश, उपेंद्र, श्रीमती कंचन और प्रीति-ने प्रतिभागियों का निष्पक्ष मूल्यांकन किया। प्रतियोगिता में आदर्श सिंह ने प्रथम, आकाशिनी ने द्वितीय और रजनी वर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को उप प्रधानाचार्य राजेंद्र कुमार धुरिया एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करेंगे आरसीबी और गुजरात टाइटंस

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस की टीम शुक्रवार को यहां जब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में आमने-सामने होगी तो उनका लक्ष्य बल्लेबाजी में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। चिन्नास्वामी की थोड़ी चिपचिपी पिच पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पिछले मैच में आरसीबी के बल्लेबाज नहीं चल पाए थे जिससे उसकी टीम को छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था।

आरसीबी की यह इस सत्र में दूसरी हार थी जिससे उसने शीर्ष चार में अपनी स्थिति मजबूत करने का मौका गंवा दिया था। वह अब अंक तालिका में आठ अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। उसके बाद सनराइजर्स हैदराबाद (8 अंक), दिल्ली कैपिटल्स और टाइटंस (प्रत्येक 6 अंक) का नंबर आता है। मौजूदा चैंपियन आरसीबी को यह बात अच्छी तरह से पता होगी कि गुजरात टाइटंस के खिलाफ कमजोर प्रदर्शन से उसकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं क्योंकि उसे अब अपने अधिकतर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं। यही नहीं वह अब अपने दो घरेलू मैच भी रायपुर में खेलेगा।

आरसीबी अब चिन्नास्वामी स्टेडियम में जीत हासिल करके अपने प्रशंसकों को शानदार विदाई देना चाहेगा लेकिन इसके लिए उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बड़ा स्कोर बनाने का तरीका ढूंढना होगा।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ फिल साल्ट को छोड़कर कोई भी अन्य बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया था। कप्तान रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे छक्के जड़ने में माहिर बल्लेबाजों को भी रन बनाने के वैकल्पिक तरीके खोजने पड़े, हालांकि उन्हें इसमें बहुत अधिक सफलता नहीं मिली।

इसलिए आरसीबी के बल्लेबाजों को एक प्लान बी तैयार रखना चाहिए, क्योंकि इसकी कोई गारंटी नहीं है कि उनका आक्रामक खेल हर समय कारगर साबित होगा। इसी तरह से गुजरात टाइटंस भी अपने बल्लेबाजों के प्रदर्शन से चिंतित है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले मैच में उसकी पूरी टीम 100 रन पर आउट हो गई थी और उसे 99 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इससे उसके नेट रन रेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर ने कुछ हद तक निरंतरता दिखाई है, लेकिन बी साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स और राहुल तेवतिया जैसे खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। गुजरात टाइटंस के पास प्रसिद्ध कृष्णा, कागिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे अच्छे गेंदबाज हैं लेकिन उन्हें बल्लेबाजों से पर्याप्त सहयोग नहीं मिल पा रहा है।

दीपिका और तरुणदीप ने तीरंदाजी को राष्ट्रमंडल खेल 2030 में फिर से शामिल किए जाने को लेकर जताई उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत साल 2030 में अहमदाबाद (गुजरात) में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी करने जा रहा है। प्रस्तावित आयोजन को 2026 में ग्लासगो में होने वाले सीमित संस्करण की तुलना में अधिक विस्तृत और भव्य बनाने की योजना है। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों (23 जुलाई52 अगस्त) में केवल 10 खेल और 6 पैरा स्पोर्ट्स शामिल होंगे, जबकि 2030 संस्करण में शूटिंग, कुश्ती, बैडमिंटन और तीरंदाजी जैसे प्रमुख खेलों की वापसी की संभावना जताई जा रही है।

भारतीय तीरंदाजी की दिग्गज खिलाड़ी दीपिका कुमारी और अनुभवी तीरंदाज तरुणदीप राय ने 2030 में तीरंदाजी को फिर से शामिल किए जाने को लेकर आशा व्यक्त की है। दीपिका कुमारी, जिन्होंने 2010 दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में महिला व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में भारत को ऐतिहासिक स्वर्ण पदक दिलाया था, ने साई मीडिया के हवाले से कहा, ल्ल2010 राष्ट्रमंडल खेल मेरे करियर के लिए बहुत बड़ा मोड़ था, क्योंकि 16 साल की उम्र में मैंने उस खेल में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, जो उस समय ज्यादा लोकप्रिय नहीं था। उस समय मैं अपनी उपलब्धि का महत्व पूरी तरह नहीं समझ पाई थी, लेकिन मेरे अनुसार उस जीत के बाद भारत में तीरंदाजी को काफी बढ़ावा मिला। बहुत से लोगों को इस खेल के बारे में जानकारी मिली और देश में अन्य खेलों के प्रति भी जागरूकता बढ़ी, क्योंकि लोगों ने उन्हें करीब से देखा।ङ्क

उन्होंने आगे कहा, ल्लजिस तरह 2010 में हमने राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया था, मुझे विश्वास है कि 2030 का आयोजन उससे भी बड़ा और बेहतर होगा। हम तीरंदाज लंबे समय से इस बहु-देशीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले पाए हैं और उम्मीद है कि 2030 में तीरंदाजी की वापसी

संक्षिप्त समाचार

बार्सिलोना ने लगातार सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग का खिताब जीता

बार्सिलोना। बार्सिलोना ने एस्पेनयोल को 4-1 से हराकर लगातार सातवीं बार महिला स्पेनिश लीग फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। इस जीत से बार्सिलोना दूसरे स्थान पर मौजूद रियाल मैड्रिड से 16 अंक आगे हो गया है जो खिताब जीतने के लिए पर्याप्त हैं। बार्सिलोना का यह 11वां लीग खिताब है। बार्सिलोना ने इस साल के टूर्नामेंट में अपने 26 मैचों में से 25 मैच जीते हैं। पिछले साल नवंबर में उसे रियल सोसिडाड के हाथों 1-0 से हार का सामना करना पड़ा था जो उसकी एकमात्र हार थी। बार्सिलोना की महिला टीम ने लीग में अब तक 116 गोल किए हैं और सात गोल खाए हैं। इस तरह से उसका गोल अंतर 109 है। रियाल मैड्रिड का गोल अंतर 38 है।

हालैंड के गोल से प्रीमियर लीग में शीर्ष पर पहुंचा मैनचेस्टर सिटी

लंदन। स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने बर्नली को 1-0 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में शीर्ष स्थान हासिल करके आर्सेनल के 200 दिनों से पहले स्थान पर चल रहे दबदबे को समाप्त कर दिया। बर्नली के लिए यह हार करारा झटका है क्योंकि इससे वह दूसरे डिवीजन में खिसक गया है। हालैंड ने खेल के पांचवें मिनट में ही जेरेमी डोकु के पास पर लीग का अपना 24वां गोल दागा, जिससे सिटी खिताब का प्रबल दावेदार बन गया है। अब सिटी और आर्सेनल के 33 मैच में समान 70 अंक हो गए हैं और उनका गोल अंतर भी (37) बराबर है। सिटी ने हालांकि आर्सेनल के 63 गोल की तुलना में 66 गोल किए हैं जिससे वह पहले स्थान पर पहुंच गया है। बुधवार को खेले गए एक अन्य मैच में लीड्स ने स्टॉपेज टाइम के सातवें मिनट में गोल करके बोर्नमाउथ के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला।

लामिन यामल चोटिल, विश्व कप में भाग लेने को लेकर आशंका बनी

बार्सिलोना। युवा फुटबॉलर लामिन यामल स्पेनिश लीग फुटबाल टूर्नामेंट के मैच में बार्सिलोना की सेल्टा विगो पर 1-0 से जीत के दौरान चोटिल हो गए जिससे उनकी विश्व कप में खेलने को लेकर आशंका बन गई है। यामल ने 40वें मिनट में पेनल्टी पर गोल किया लेकिन इस दौरान वह चोटिल हो गए। जैसे ही उनके साथी खिलाड़ी जश्न मनाने के लिए पहुंचे, वह जमीन पर गिर पड़े और फिर अपने बाएं पैर के पिछले हिस्से को पकड़ते हुए दिखाई दिए। यामल इसके बाद आगे नहीं खेल पाए। उन्होंने बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक से बात की और फिर अकेले ही लॉकर रूम में चले गए। बार्सिलोना ने इस जीत से रियाल मैड्रिड पर नौ अंक की बढ़त बनाकर खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को भी बढ़ा दिया है। बार्सिलोना के 32 मैच में 82 जबकि रियाल मैड्रिड के इतने ही मैच में 73 अंक हैं।

कर्स्टन का लक्ष्य, श्रीलंका को अगले वनडे विश्व कप में जीत दिलाना

कोलंबो। श्रीलंका के नए मुख्य कोच गैरी कर्स्टन का लक्ष्य एक ऐसी टीम तैयार करना है जो 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप में खिताब के लिए मजबूत दावेदारी पेश कर सके। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व सलामी बल्लेबाज कर्स्टन को दो साल के अनुबंध पर श्रीलंका की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका कार्यकाल 15 अप्रैल से शुरू हो गया है। कर्स्टन ने गुरुवार को यहां कहा, ''हम सभी प्रत्येक प्रारूप में अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आगे कुछ बड़ी प्रतियोगिताएं खेली जानी है जिनमें 17 महीने बाद होने वाला पुरुष वनडे विश्व कप भी शामिल है। हम इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करना चाहेंगे।'' वनडे विश्व कप अगले साल अक्टूबर और नवंबर में दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। श्रीलंका 2011 के बाद से वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल तक भी नहीं पहुंचा है। भारत ने उसे 2011 में फाइनल में हराया था। उस समय कर्स्टन भारत के मुख्य कोच थे। उन्होंने कहा कि वह सभी प्रारूपों के लिए सबसे संतुलित टीम तैयार करने की कोशिश कर रहे थे। कर्स्टन ने कहा, ''मुझे लगता है कि इस समय मेरी प्राथमिकता यही है और मैंने इस पर काम करना भी शुरू कर दिया है। हम अलग-अलग प्रारूपों में विभिन्न भूमिकाओं के लिए खिलाड़ी तैयार करने पर ध्यान दे रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''श्रीलंका ने टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया है और उससे पता चलता है कि खिलाड़ियों में भरपूर क्षमता है। हमें बस निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है।''

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ, 30 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग सर्विस प्रोवाइडर कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को एक लॉट यानी 6,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 1,38,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फ़ेस वैल्यू वाले कुल 3,84,84,000 शेयर जारी हो रहे हैं।

स्टार्क को आईपीएल में खेलने के लिए हरी झंडी

एजेंसी

सिडनी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मिचेल स्टार्क को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने की अनुमति दे दी है और उम्मीद है कि यह तेज गेंदबाज दिल्ली कैपिटल्स के एक मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए उपलब्ध रहेगा।

कोहनी और कंधे में चोट के कारण बाएं हाथ कें तेज गेंदबाज स्टार्क जनवरी से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। उन्होंने एशेज के पांचों टेस्ट मैचों में अहम भूमिका निभाई। उन्हें इस श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। इसके बाद उन्होंने सिडनी सिक्सर्स के लिए बिग बैश लीग के पांच मैच भी खेले थे। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, ''उम्मीद है कि स्टार्क भारत में अब कड़ा अभ्यास करेंगे। वह दिल्ली के राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ एक मई को होने वाले मैच में खेलने की राह पर हैं, जो उनका आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपना पहला मैच होगा।''

इस 36 वर्षीय खिलाड़ी की आईपीएल के शुरुआती चरण में अनुपस्थिति ने विदेशी खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता पर बहस छेड़ दी थी, जिसके चलते स्टार्क को सोशल मीडिया पर स्पष्टीकरण भी देना पड़ा था। उन्होंने इसे बेहद गलत जानकारी करार दिया था। स्टार्क ने पिछले सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से 11 मैचों में 14 विकेट लिए थे। दिल्ली अभी छह मैचों में तीन जीत और तीन हार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है।

टी20 विश्व कप से ठीक पहले भारत की कमजोरियां सही समय पर उजागर हुईं: हरमनप्रीत कौर

एजेंसी

जोहानिसबर्ग। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर का मानना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम ने सही समय पर खराब प्रदर्शन किया क्योंकि इससे टीम प्रबंधन को कमजोरियों को दूर करने और जून में होने वाले टी20 विश्व कप में 'मजबूत वापसी' करने के लिए पर्याप्त समय मिल गया है।

भारतीय महिला टीम को अक्टूबर 2024 में हुए टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण से बाहर होने के बाद पहली बार किसी टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने बुधवार को तीसरा मैच नौ क्रिकेट से जीतकर पांच मैच की श्रृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त हासिल कर ली। पिछले टी20 विश्व कप से जल्दी बाहर होने के बाद भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया तथा वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखलाएं जीती। हरमनप्रीत ने तीसरे मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''पिछले टी20 विश्व कप के बाद हमने अधिकतर टी20 श्रृंखला जीती हैं। यह एकमात्र ऐसी श्रृंखला है जिसमें हम पहले जैसा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह टीम के लिए अच्छा है कि हम जो भी गलतियां कर रहे हैं वह अभी कर रहे हैं, न कि विश्व कप में। यह सही समय है जब हम अपनी गलतियों से सीख सकते हैं और मजबूती से वापसी कर सकते हैं।'' हरमनप्रीत ने कहा, ''कप्तान होने के कारण मैं हर बात को सकारात्मक रूप से लेती हूं। हमें अभी दो मैच खेलने हैं और हम उनमें अच्छा प्रदर्शन करके वापसी कर सकते हैं।'' इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले टी20 विश्व कप में दो महीने से भी कम समय बचा है, ऐसे में भारत का यह प्रदर्शन चिंता का विषय है। विशेषकर उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों में 21 विकेट लिए हैं, जबकि भारत केवल सात विकेट ही ले पाया है। तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत ने दक्षिण अफ्रीका के सामने 192 रन का लक्ष्य रखा था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे 16.3 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हमारा स्कोर अच्छा था लेकिन हम दुर्भाग्य से पावरप्ले में विकेट नहीं ले पाए। आप कोई भी मैच खेल रहे हों पावरप्ले में विकेट लेने से हमेशा मदद मिलती है। हम ऐसा नहीं कर पाए, जिसका हमें बहुत खामियाजा भुगतना पड़ा।''

एक महीने में दूसरी बार एचएसबीसी ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई

■ एचएसबीसी ने 31 मार्च को भारत की रेटिंग ओवरवेट से घटाकर की थी न्यूट्रल

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने एक बार फिर इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को घटा कर घरेलू शेयर बाजार और उसके निवेशकों को बड़ा झटका दिया है। ब्रोकरेज फर्म ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को न्यूट्रल से घटा कर अंडरवेट कर दिया है। एक महीने से भी कम अवधि में एचएसबीसी ने दूसरी बार इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई है। इसके पहले 31 मार्च को इंडियन इक्विटीज की रेटिंग ओवरवेट से घटा कर न्यूट्रल की गई थी और अब इसे न्यूट्रल से अंडरवेट कर दिया गया है।

एचएसबीसी का कहना है कि पश्चिम एशिया में बने तनाव के हालात और उसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। ब्रोकरेज फर्म की और से जारी किए गए एक नोट में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग की वजह से पेट्रोलियम उत्पादों की तेजी से बढ़ रही कीमत भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 40 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी आ चुकी है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण भारत जैसे उन तमाम देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा बन गया है जो अपनी जरूरत पूरा करने के लिए आयत का सहारा लेते हैं।

एचएसबीसी के नोट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग की वजह से भारत में उत्तर पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में निवेश के लिए आकर्षण कम हो गया है। इसी वजह से जंग शुरू होने के बाद से लेकर अभी तक निफ्टी 6.7 प्रतिशत और सेंसेक्स 7.9 प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार होकर दुनिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजार की सूची में शामिल हो चुके हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने घरेलू बाजार में गिरावट की चर्चा करते हुए विदेशी निवेशकों की चिंता का भी जिक्र किया है। इसमें भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत में आ रही गिरावट का उल्लेख भी किया गया है। नोट में कहा गया है कि अगर भारतीय सॉफ्टवेयर सर्विसेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर से होने वाले नकारात्मक असर में इजाफा होता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ऊंचे स्तर पर बनी रहती है, तो भारतीय मुद्रा में और अधिक गिरावट का होने की आशंका जताई जा सकती है। इसी वजह से विदेशी निवेशक इस साल लगातार भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। 2026 में अभी तक विदेशी निवेशक 18.5 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेच चुके हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी बुधवार के भाव 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42, 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर बनी अनिश्चितता, कमजोर वैश्विक संकेत और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने घरेलू शेयर बाजार को आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद होने के लिए मजबूर कर दिया। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारी का रुख भी बना, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स और हेल्थकेयर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.37 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.99 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,762 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,517 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,965 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,031 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,934 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 532.83 अंक की कमजोरी के साथ 77,983.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण यह सूचकांक 823.43 अंक टूट कर 77,693.06 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 194.88 अंक की रिकवरी कर 78,178.54 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की गिरावट बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 942.31 अंक लुढ़क कर 77,574.18 अंक तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 90 अंक की रिकवरी कर 852.49 अंक की गिरावट के साथ 77,664 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह * द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242
Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

ऑपरेशन 'मिलाप' में गोरखपुर पुलिस की बड़ी सफलता

■ 313 लड़कियों की सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

गोरखपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. कोस्तुभ के निर्देशन में गोरखपुर पुलिस की ओर से चलाया जा रहा ल्लऑपरेशन मिलापङ्क मानवीय संवेदनाओं का एक सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया है। इस अभियान के तहत वर्ष 2026 में अब तक 313 अपहृत/लापता लड़कियों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों से मिलाया गया है, जिससे सैकड़ों परिवारों में फिर से खुशियां लौट आई हैं।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इन मामलों में अधिकांश लड़कियों को बहला-फुसलाकर या झांसा देकर घर से दूर ले जाया गया था। कई मामलों में उन्हें अन्य जनपदों या राज्यों तक पहुंचा दिया गया था। ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए गोरखपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष टीमों का गठन किया और खोजबीन अभियान शुरू किया। ऑपरेशन मिलाप के तहत पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल सर्विलांस, सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र का सहारा लेकर लापता लड़कियों का पता लगाया। टीमों ने लगातार संभावित स्थानों पर दबिश दी और कई जटिल मामलों का सफलतापूर्वक खुलासा किया। एसएसपी डॉ. कोस्तुभ ने बताया कि सभी थाना प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि अपहरण एवं गुमशुदगी के मामलों में तत्काल मुकदमा दर्ज कर तेजी से कार्रवाई की जाए। साथ ही पीड़ित परिवारों से नियमित संवाद बनाए रखते हुए उन्हें प्रगति की जानकारी दी जाए।

पुलिस की तत्परता और सक्रियता का ही परिणाम है कि बड़ी संख्या में लड़कियों को सकुशल बरामद कर उनके परिजनों को सौंपा गया। कई मामलों में परिजनों ने अपनी बेटियों के सुरक्षित वापस मिलने पर पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस अभियान के तहत न केवल अपराधियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई, बल्कि समाज में सुरक्षा और विश्वास का माहौल भी मजबूत हुआ है। पुलिस की ओर से लगातार यह संदेश दिया जा रहा है कि महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गोरखपुर पुलिस का ल्लऑपरेशन मिलापङ्क आगे भी इसी तरह जारी रहेगा, ताकि हर लापता बेटी को सुरक्षित उसके परिवार तक पहुंचाया जा सके और समाज में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और अधिक मजबूत हो।

कैसरगंज कोतवाली से 500 मीटर पर हुई चोरी की घटना,पेट्रोलिंग पर सवाल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बहराइच। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में कैसरगंज कोतवाली से महज पांच सौ मीटर की दूरी पर शादी के एक घर में बीती रात बुधवार को चोर लाखों के आभूषण, कपड़े और नकदी बटोर ले गए। घटना से पुलिस पेट्रोलिंग पर सवाल उठ रहे हैं। कैसरगंज कोतवाली से महज 500 मीटर की दूरी पर ग्राम पंचायत गुथिया निवासी अरविन्द कुमार सिंह की पुत्री की 25 अप्रैल को शादी है। घर में विवाह की तैयारियां चल रही हैं। इसी बीच बीती रात बुधवार को लगभग दो बजे घर में घुसे चोरों ने कमरों के बाहर कुंडी लगाकर परिवारजनों बंद कर दिया और चोरी कर लाखों का माल समेट ले गए। छत पर सो रही अरविन्द की पत्नी को जब ठंड लगी तो वो नीचे आई और देखा कि घर का सारा सामान बिखरा पड़ा है। पीड़ित के अनुसार चोर शादी के लिए रखे सोने चांदी के आभूषण और लगभग 60 हजार की नकदी भी उठा ले गए। घटना कोतवाली कैसरगंज के निकट होने से पुलिस पेट्रोलिंग पर सवाल उठ रहे हैं। इंस्पेक्टर कैसरगंज राजेश शुक्ला ने गुरुवार को बताया कि घटना का जल्द ही खुलासा किया जाएगा।

प्राथमिक विद्यालय में हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर विद्यार्थियों को जागरूकता किया

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के भलूअनी विकासखंड स्थित कुशमहां प्राथमिक विद्यालय में आरोग्य भारती के तत्वावधान में गुरुवार को हीट स्ट्रोक (लू) से बचाव को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान बच्चों को गर्मी के मौसम में सुरक्षित रहने के लिए जरूरी जानकारी दी गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरोग्य भारती के प्रांतीय उपाध्यक्ष डॉ. अजीत नारायण मिश्र ने कहा कि हीट स्ट्रोक एक गंभीर और जानलेवा स्थिति हो सकती है, इसलिए इससे बचाव बेहद जरूरी है। उन्होंने बच्चों को सलाह दी कि तेज धूप में बाहर निकलते समय पूरे कपड़े पहनें और सिर को तौलिया या टोपी से ढकें। साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें।

उन्होंने बताया कि गर्मी के मौसम में ककड़ी, खीरा, तरबूज, संतरा जैसे फल शरीर को ठंडा रखते हैं, इसलिए इनका सेवन अधिक करना चाहिए। नींबू पानी, शिकंजी और जलजीरा जैसे पेय पदार्थ भी शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में सहायक होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अत्यधिक गर्म और तैलीय भोजन से बचें तथा शराब और नशीले पदार्थों का सेवन न करें।

डॉ. मिश्र ने अभिभावकों को भी सचेत करते हुए कहा कि धूप में खड़ी गाड़ियों में बच्चों को कभी अकेला न छोड़ें, क्योंकि इससे गंभीर खतरा हो सकता है। घरों में हवा का आवागमन बना रहे, इसके लिए खिड़कियां खुली रखें। उन्होंने कहा कि ल्लबचाव ही इलाज हैङ्क और सावधानी बरतकर ही हम इस समस्या से सुरक्षित रह सकते हैं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को स्वास्थ्यवर्धक पेय पदार्थ भी वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन जिला प्रचार प्रमुख पुष्पराज तिवारी ने किया।

इस अवसर पर डॉ. श्वेता, गरिमा तिवारी, अंजलि दुबे, शशि भूषण मिश्र, नवीन, आशुतोष दुबे, भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के मंडल संयोजक डॉ. उपेंद्र कुमार गिरी, गुलाब पांडेय, प्रशांत कुमार, संतोष कुमार, रुद्रांश कुमार, डॉ. रामप्रवेश, डॉ. अनिल कुमार मणि और डॉ. अमरनाथ पांडेय उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वच्छता कार्य

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी,। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन की जानकारी के बाद गुरुवार को जिलाध्यक्ष और एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने रोहनिया क्षेत्र के कर्दमेश्वर मंडल के शक्ति केंद्र अवलेशपुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं के साथ अवलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में स्वच्छता कार्यक्रम किया। एमएलसी हंसराज की स्वच्छता टोली में शामिल कार्यकर्ताओं ने जमकर झाड़ू लगाया। मंदिर प्रांगण में आए श्रद्धालुओं की उपस्थिति में झाड़ू लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को स्वच्छता का जो संदेश दिया है, उसे उनकी काशी में हम कार्यकर्ता आगे बढ़ते हुए आज अवलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में स्वच्छता कार्य किए हैं।

बलिया में अधिकारियों ने परोसा ट्रेनी सिपाहियों को पारम्परिक 'बड़ा खाना'

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बलिया। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में ट्रेनिंग ले रहे 343 आरक्षियों के दीक्षांत परेड समारोह के उपलक्ष्य में बुधवार की रात पुलिस लाइन में पारम्परिक बड़ा खाना का आयोजन किया गया। ग्यारह महीने के कठिन प्रशिक्षण के बाद नए आरक्षियों ने पुलिस के बड़े अधिकारियों की मौजूदगी में लजीज व्यंजनों का लुत्फ लिया। पुलिस लाइन में ट्रेनिंग ले रहे आरक्षियों के लिए पुलिस उपमहानिरीक्षक आजमगढ़ परिक्षेत्र सुनील कुमार सिंह, जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह व पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की उपस्थिति में 26 अप्रैल को होने वाले दीक्षांत परेड से पूर्व बड़ा खाना कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों ने रिक्रूट आरक्षियों से संवाद स्थापित कर उनके लगभग 11 माह के कठिन एवं अनुशासित प्रशिक्षण की सराहना की।इस दौरान उन्हें भविष्य में अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी एवं अनुशासन के साथ करने के लिए प्रेरित किया गया। अधिकारियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए पुलिस सेवा के मूल्यों, कर्तव्यपरायणता एवं जनसेवा की भावना को सदैव सर्वोपरि रखने का संदेश दिया। इस दौरान अधिकारियों ने खुद ही रिक्रूट आरक्षियों को भोजन परोसकर उनका उत्साहवर्धन किया। सभी अधिकारियों एवं रिक्रूट आरक्षियों ने एक साथ बैठकर भोजन किया। जिससे जवानों में काफी उत्साह देखने को मिला।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह सम्पादक
डा. सुशील चन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

सलाहकार संपादक
डॉ एमएए खान आईएएस (रि)
डॉ ओम प्रकाश आईएएस (रि)
आर पी शुक्ल आईएएस (रि)
राधेश्याम मिश्रा आईएएस (रि)
विवेक वार्ष्णेय आईएएस (रि)
आशुतोष रंजन
अनिल तिवारी

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

कार्यकारी संपादक
अभयानंद शुक्ल

आध्यात्मिक संपादक
राम महेश मिश्र

ब्यूरो चीफ
मनोज कुमार शुक्ला

स्टेट कोआर्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं.: 0522-4643988
www.rashtriyaprastavana.com
ई-मेल: noidarp@gmail.com

संपर्क कार्यालय
प्रधान कार्यालय: 1/39, प्रथम तल करामत मार्केट, निशातगंज, लखनऊ
प्रशासनिक कार्यालय: 61 ए, मानस नगर, जियामऊ, हज़रतगंज, लखनऊ

वाराणसी शहर के चौराहों और घाटों को मिलेगी 'ग्रीन शेड' की छाया

■ रथयात्रा से हुई शुरुआत, जल्द शहर के अन्य चौराहों पर लगेंगे शेड, राहगीरों को मिलेगी राहत

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में अप्रैल माह के तीसरे सप्ताह में ही सूरज की तपिश और लू (हीट वेव) के बढ़ते असर ने आम जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। शहर में राहगीरों और वाहन चालकों को चिलचिलाती धूप से बचाने के लिए नगर निगम ने एक अनूठी पहल की है। शहर के प्रमुख चौराहों और गंगा घाटों पर अब 'हरा पर्दा' (ग्रीन शेड) लगाया जा रहा है, जिससे तीखी धूप सीधे राहगीरों तक न पहुंच सके। निगम की इस मुहिम की शुरुआत गुरूवार को रथयात्रा चौराहे से हुई। नगर निगम के मुख्य अभियंता आरके सिंह ने बताया कि शहर के व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल पर रुकने वाले लोगों को गर्मी से बेहाल होना पड़ता है। इसे देखते हुए लहुराबीर, मलदहिया (सरदार वल्लभभाई पटेल की मूर्ति के पास) और दशाश्वमेध जैसे प्रमुख चौराहों के साथ-साथ गंगा घाटों पर भी ग्रीन शेड लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह हरा पर्दा न केवल छाया प्रदान करेगा, बल्कि लू के थपेड़ों से भी सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा।

नगर निगम की ओर से शहर के अलग-अलग इलाकों में 17 स्थानों पर आधुनिक वाटर कूलर और 22 स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की गई है। प्रशासन की इस पहल से आम लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

बंद कमरे में मिला प्रेमी -प्रेमिका का शव

नोएडा। नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र के तुगलपुर गांव में एक बंद कमरे से प्रेमी-प्रेमिका के शव बृहस्पतिवार को बरामद हुए हैं। कमरे से आ रही तेज बदबू से इस सनसनीखेज घटना का खुलासा हुआ। पड़ोसियों को जब कई दिनों तक कमरे में कोई हलचल नजर नहीं आई और दुर्गंध बढ़ती गई, तो उन्होंने अनहोनी की आशंका जताते हुए तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सूचना मिलते ही नॉलेज पार्क थाना प्रभारी सर्वेश सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो दृश्य देखकर सभी सन्न रह गए। कमरे के भीतर युवक और युवती के शव पड़े हुए थे। युवती का शव बेड पर मिला, जबकि युवक का शव फंदे से लटका हुआ था। शवों की स्थिति देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि घटना को कई दिन बीत चुके थे, जिसके चलते बदबू आसपास फैलने लगी थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों मृतक मूल रूप से उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के रहने वाले थे और तुगलपुर गांव में किराए के कमरे में रह रहे थे।

गैस एजेंसी पर डीएम, एसपी का छापा, कई खामियां मिलीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

फर्रुखाबाद। जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर व पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने गुरुवार को कमालगंज स्थित मधु गैस एजेंसी का औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान 08 अप्रैल की गैस बुकिंग की डिलीवरी अब तक न होने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी उपभोक्ताओं को गैस की 100 प्रतिशत होम डिलीवरी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान उपभोक्ताओं ने अवगत कराया कि बिना गैस प्राप्त किए ही डिलीवरी का संदेश प्राप्त हो रहा है, जिसे जिलाधिकारी ने गंभीरता से लिया।

इस संबंध में जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना वास्तविक डिलीवरी के किसी भी उपभोक्ता को गैस डिलीवरी का संदेश न भेजा जाए तथा सभी बुकिंग की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, अपर पुलिस अधीक्षक व संबंधित मौजूद रहे।

मुरादाबाद जिले के 2.56 लाख किसानों की फार्मर आईडी बनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

मुरादाबाद। फार्मर रजिस्ट्री कराने में मुरादाबाद प्रदेश में 10 वें स्थान पर पहुंच गया है। मुरादाबाद जिले के 2.56 लाख किसानों की फार्मर आईडी बन चुकी है। हालांकि 58 किसानों की अभी आईडी बननी बाकी है। वहीं मंडल में संभल की स्थिति सबसे खराब है। संभल प्रदेश में 32 वें और बिजनौर 11वें स्थान पर है।

जबकि रामपुर और अमरोहा प्रदेश में टॉपटेन में है। प्रदेश में एक जून से फार्मर आईडी (किसान पहचान पत्र) अनिवार्य करने की तैयारी है। इसके लिए प्रदेश में करीब दो साल से फार्मर रजिस्ट्री का कार्य चल रहा है। इसमें किसानों की जमीन का पूरा ब्योरा एक पोर्टल पर अपडेट कर आईडी बनाई जा रही है। इस आईडी के पोर्टल पर डालते ही संबंधित किसान का पूरा ब्योरा सामने आ जाएगा। 21 अप्रैल तक की रिपोर्ट में लक्ष्य की तुलना में 81.46 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कराकर मुरादाबाद दसवें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि संभल पिछड़ गया है। संभल 32 वें स्थान पर है। मंडल में इसकी स्थिति सबसे खराब है। जबकि रामपुर चौथे, अमरोहा छठवें, बिजनौर 11 वें स्थान पर है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम ने गुरुवार को बताया कि मुरादाबाद जिले में लक्ष्य के हिसाब से 81.46 फीसदी किसानों की आईडी जेनरेट कर ली गई है। मुरादाबाद प्रदेश में दसवें स्थान पर हैं। जल्द ही बाकी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री करा दी जाएगी।

देवरिया की बंगरुआ वितवारी टोला की सड़क 15 साल से अधूरी, ग्रामीणों के लिए मुश्किल का सबब बनी

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भाटपार रानी तहसील क्षेत्र में पडरी रोड से बंगरुआ वितवारी टोला होते हुए खुरवसियां तक जाने वाला मुख्य मार्ग पिछले करीब 15 वर्षों से अधूरा पड़ा है। सड़क का निर्माण न होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लगभग 4 किलोमीटर लंबा यह मार्ग आधा दर्जन से अधिक ग्राम टोलों को आपस में जोड़ता है। साथ ही यह सिकटिया और बासवन चक जैसे गांवों को भी जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है। खराब हालत के चलते यह सड़क पूरी तरह जर्जर हो चुकी है, जिससे आवागमन बेहद कठिन हो गया है। यह मार्ग एक मुख्य सड़क को दूसरी मुख्य सड़क से जोड़ता है, इसलिए इसका महत्व और भी बढ़ जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यही एकमात्र प्रमुख रास्ता है, जिससे वे बाजार, स्कूल और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचते हैं। सड़क की खराब स्थिति के कारण बच्चों को समय पर स्कूल पहुंचने में भी दिक्कत होती है, जबकि बरसात के दिनों में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। यह मार्ग हरिराम चौराहा, पादरी बाजार, भवानी छापर, बंगरा बाजार को जोड़ते हुए खुरवसिया से प्रतापपुर सिकटिया तक जाता है, जिससे इसकी उपयोगिता और भी बढ़ जाती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों से सड़क निर्माण की मांग की, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। करीब पांच वर्ष पहले ग्राम प्रधान संतोष यादव के नेतृत्व में कुछ मरम्मत कार्य कराया गया था, लेकिन मुख्य मार्ग का निर्माण अधूरा ही छोड़ दिया गया। ग्रामीणों ने स्थानीय विधायक सभाकंवर से भी सड़क निर्माण कराने की अपील की है। उनका कहना है कि यदि यह मार्ग बन जाता है तो क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और आवागमन सुगम हो जाएगा। सड़क निर्माण की मांग करने वालों में रमाशंकर कुशवाहा, लाल बाबू कुशवाहा, अखिलेश ठाकुर, हरे राम ठाकुर, अजीत खरवार, अनिल यादव, सुनील यादव, धर्मेंद्र और कमलेश कुमार सहित कई ग्रामीण शामिल हैं।